संयम ◆संस्कार ◆संतुलन

R.N.I. No.-UPHIN/2004/22466

वर्ष-21 अंक- 24
पृष्ठ 8
गुरुवार
10 अक्टूबर 2024
प्रातः संस्करण
हिन्दी दैनिक
प्रयागराज
मूल्य-1.00

शहर समता

प्रयागराज से प्रकाशित Email : shaharsamta@gmail.com Website : https://Shaharsamta.com

सम्पादक-उमेश चन्द्र श्रीवास्तव

विविध- ब्रेकअप के बाद जिंदगी में ...

विचार- संकट में है, विश्व-शांति.....

खेल- भारतीय जिम्नास्ट दीपा कर्माकर ने ....

हमेशा बांटो और सत्ता पाओ के फॉर्मूले पर चली कांग्रेस

उसे न विकास से मतलब, न विरासत से

मुंबई,(एजेंसी)। उन्होंने कहा कि अभी कल ही हरियाणा और जम्मू–कश्मीर के चुनाव परिणाम आए हैं। हरियाणा ने बता दिया है कि देश का मिजाज क्या है। दो बार कार्यकाल पूरा करने के बाद लगातार तीसरी बार चुनकर आना ऐतिहासिक है। कांग्रेस का पूरा इकोसिस्टम, अर्बन नक्सल का पूरा गिरोह जनता को गुमराह करने में जुटा था, लेकिन कांग्रेस की सारी साजिशें ध्वस्त हो गईं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने महाराष्ट्र में 10 सरकारी मेडिकल कॉलेज का डिजिटल माध्यम से उद्घाटन किया। इसके साथ ही उन्होंने भारतीय कौशल संस्थान और विद्या समीक्षा केंद्र का डिजिटल माध्यम से उद्घाटन किया। उन्होंने नागपुर में डॉ. बाबासाहेब अंबेडकर अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा के उन्नयन और शिरडी हवाई अड्डे में नए एकीकृत टर्मिनल भवन की आधारशिला रखी। इस दौरान उन्होंने लोगों को संबोधित भी किया। उन्होंने हरियाणा चुनाव परिणामों का जिक्र करते हुए कांग्रेस पर वोटबैंक की राजनीति करने और समाज को बांटने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि अभी कल ही हरियाणा और जम्मू–कश्मीर के चुनाव परिणाम आए हैं। हरियाणा ने बता दिया है कि देश का मिजाज क्या है। दो बार कार्यकाल पूरा करने के बाद लगातार तीसरी बार चुनकर आना ऐतिहासिक है। कांग्रेस का पूरा इकोसिस्टम, अर्बन नक्सल का पूरा गिरोह जनता को गुमराह करने में जुटा था, लेकिन कांग्रेस की सारी साजिशें ध्वस्त हो गईं। इन्होंने दलितों के बीच झूठ फैलाने की कोशिश की, लेकिन दलित समाज ने इनके खतरनाक इरादों को भांप लिया। दलितों को एहसास हो गया कि कांग्रेस उनका आरक्षण छीनकर अपने वोटबैंक को बांटना चाहती है। पीएम मोदी ने कहा कि कांग्रेस, हमेशा बांटो और सत्ता पाओ के फॉर्मूले पर चली है। कांग्रेस ने बार–बार ये सिद्ध किया है कि वो एक गैर–जिम्मेदार दल है। वो अभी भी देश को बांटने के लिए नए–नए नरैटिव गढ़ रही है। कांग्रेस समाज को बांटने का फार्मूला लाती रहती है। कांग्रेस का फार्मूला साफ है कि मुसलमानों को डराते रहो, उनको भय दिखाओ, उनको वोटबैंक में कन्वर्ट करो और वोटबैंक को मजबूत करों। महाराष्ट्र को 10 मेडिकल कॉलेज की सौगात उन्होंने कहा कि आज महाराष्ट्र को 10 मेडिकल कॉलेज की सौगात मिल रही है।

भाजपा ने हारी हुई लड़ाई जीती

नई दिल्ली,(एजेंसी)। संजय राउत ने कहा कि दोनों राज्यों (हरियाणा और जम्मू कश्मीर) की अपनी अहमियत है, लेकिन जम्मू कश्मीर भाजपा के लिए ज्यादा अहम था। वे उस जगह से हार गए, जहां उन्होंने अनुच्छेद 370 हटाया था। विपक्षी गठबंधन हरियाणा में नहीं जीत पाया क्योंकि कांग्रेस को लगा कि वह अपने दम पर जीत सकते हैं और उन्हें सत्ता में किसी सहयोगी की जरूरत नहीं है। कांग्रेस नेता हुड्डा जी को लगा कि वे जीत जाएंगे। अगर उन्होंने समाजवादी पार्टी, आप या अन्य छोटी पार्टियों के साथ गठबंधन किया होता तो नतीजा कुछ और होता। भाजपा ने जिस तह से चुनाव लड़ा, वह काबिले तारीफ है। भाजपा ने हारी हुई लड़ाई जीती है। टीएमसी सांसद ने कांग्रेस को कोसा हरियाणा में हार के बाद विपक्षी गठबंधन में कांग्रेस की सहयोगी टीएमसी ने कांग्रेस की आलोचना की है। टीएमसी सांसद साकेत गोखले ने कांग्रेस का नाम लिए बिना आलोचना करते हुए सोशल मीडिया पर लिखा कि यह रवैया चुनाव में हार का कारण बना कि अगर हमें लगता है कि हम जीत रहे हैं तो हम किसी क्षेत्रीय पार्टी के साथ गठबंधन नहीं करेंगे, लेकिन जिन राज्यों में हम पिछड़ रहे हैं, वहां क्षेत्रीय पार्टियों को हमें जगह देनी चाहिए।श गोखले ने लिखा कि अहंकार और क्षेत्रीय दलों को नीची निगाह से देखना आपदा का कारण बनता है।

टीएमसी सांसद की इस टिप्पणी को सीधे तौर पर कांग्रेस के साथ जोड़कर देखा जा रहा है। गौरतलब है कि विपक्षी गठबंधन में कांग्रेस की सहयोगी आम आदमी पार्टी और सीपीआई भी कांग्रेस के हरियाणा में अकेले चुनाव लड़ने की रणनीति की आलोचना कर चुके हैं। हरियाणा में कांग्रेस के साथ गठबंधन करने की इच्छुक आम आदमी पार्टी (आप) के संयोजक अरविंद केजरीवाल ने मंगलवार को कहा कि हाल के चुनावों से सबसे बड़ी सीख यह मिली है कि किसी को अति आत्मविश्वासी नहीं होना चाहिए।

हरियाणा चुनाव के नतीजे से सबक सीखने की जरूरत, गठबंधन होता तो ये हालात न होते

नई दिल्ली। जहां एक तरफ हरियाणा विधानसभा चुनाव में भाजपा को बहुमत मिला है तो वहीं कांग्रेस को हार का सामना करना पड़ा है। कांग्रेस 90 में से 37 सीटें ही जीत पाई और दूसरे स्थान पर रही। जबकि भाजपा ने 90 में से 48 सीटें अपने नाम की हैं। कांग्रेस की हार के बाद लगातार पार्टी को आलोचनाओं का सामना करना पड़ रहा है। आम आदमी पार्टी का कहना है कि हरियाणा में आप से गंठबंधन ने करना कांग्रेस की गलती है। गठबंधन होता तो हरियाणा में ये हालात न होते। आम आदमी पार्टी के राज्यसभा सांसद संजय सिंह ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर कहा, श्हरियाणा की जनता ने जो भी जनादेश दिया है, हम उसका सम्मान करते हैं। हम अपना संगठन और भी मजबूत करके हरियाणा के लोगों की सेवा करते रहेंगे। लोकसभा चुनाव के दौरान हरियाणा में इंडिया गठबंधन को 47: वोट मिले और हमने तो कहा कि विधानसभा चुनाव में भी गठबंधन किया जाए लेकिन गठबंधन नहीं किया गया। गठबंधन होता तो हरियाणा में ये हालात न होते। हरियाणा विधानसभा चुनाव के नतीजे से कांग्रेस को सबक सीखने की जरूरत है। हरियाणा में कई जगहों पर हमें अच्छा वोट मिला है। कांग्रेस हमें कुछ नहीं समझती। संजय सिंह ने कहा कि भाजपा पिछले कई दिनों से झूठ फैला रही है। हमारी पार्टी को तोड़ने के लिए उन्होंने कई हथकंडे अपनाए। वो जब हमसे चुनाव में नहीं जीत पाए तो उन्होंने हमारी पार्टी को खघ्त्म करना चाहा। भाजपा दिल्ली में 27 साल से चुनाव हार रही है और अपना मुख्यमंत्री नहीं बना पा रही है। अब ये मुख्यमंत्री आवास पर कब्जा करना चाह रहे हैं और उसके लिए तमाम झूठ फैला रहे हैं। संजय सिंह ने कहा कि दिल्ली के पिछले तीन विधानसभा चुनाव में आम आदमी पार्टी को भाजपा और कांग्रेस दोनों पार्टियों का वोट मिला है। हम जाति और धर्म की नहीं बल्कि बिजली, पानी, शिक्षा, स्कूल और अस्पताल की राजनीति करते हैं। जनता हमारे कामों से प्रभावित होकर हमें वोट देती है। अब इन्हीं कामों से प्रभावित होकर जम्मू–कश्मीर की डोडा सीट की जनता ने हमारे युवा नेता मेहराज मलिक को विजयी बनाया है। अब देशभर में अरविंद केजरीवाल के 'काम की राजनीति' के मॉडल का विस्तार हो रहा है।

श्री कटरा रामलीला कमेटी में रावण के पुतले को नहीं जलाते

डॉ०प्रदीप चित्रांशी

प्रयागराज। सोम,वरुण तथा प्रजापति की जन्मस्थली प्रयाग में पल्लवित होने वाली साहित्यिक,सांस्कृतिक एवं सामाजिक धारा से निकलने वाली ज्ञान–गंगा,सदैव जिज्ञासुओं के अनुसंधान का केन्द्र रही है। शहर में संगम तट पर प्रतिवर्ष माघ के महीने में माघ मेला, छरू और बारह वर्ष में लगने वाला अर्ध और पूर्ण कुम्भ हो या होली, दीपावली, दशहरा,ईद, क्रिसमस, गुरुपर्व या कोई भी सामाजिक या राजनीतिक उत्सव हो, सभी यहाँ की भूमि की सोंधी महक में रचबस कर, मनोरंजन के अतिरिक्त, उर्जित ऊर्जा से समाज को दर्पण की भाँति संसार का मूल शोक देने वाले तत्व का दर्शन भी कराती हैं। इसी परिप्रेक्ष्य में विजयदशमी के संदर्भ में गहराई से चिन्तन करने पर कई एक नए बिम्ब उभर कर सामने आते हैं।

विजयदशमी या दशहरा आश्विन या कार्तिक मास में मनाए जाने वाले त्योहारों में एक प्रमुख त्योहार है। इस त्योहार का सम्बन्ध महिषासुर मर्दिनी शक्ति का अवतार और सिंहवाहिनी देवी दुर्गा की विजय–गाथा, अन्य परा–प्रकृति पर आधारित कहानियों के अलावा भगवान राम की जीवन–कथा संदर्भित है । राम–कथा के लिए महीनों पहले रामलीला पूर्वाभ्यास के रूप में शुरु हो जाती है। फिर नौ दिनों तक लगातार भगवान राम की सम्पूर्ण लीला छोटे–बड़े प्रत्येक स्तर पर प्रस्तुत की जाती है तथा शाम को राम की लीला और सामाजिक व्यवस्था पर आधारित झाँकियाँ निकलती हैं। दशमी के दिन रावण,कुम्भकर्ण और मेघनाथ के पुतले जलाकर, रावण पर राम की विजय का जश्न मनाते हैं।

प्रयागराज में रामलीला और झाँकियों का लगभग दो सौ वर्ष से भी अधिक पुराना इतिहास है। अतीत में यहाँ पर पजावा रामलीला कमेटी,पथरचट्टी रामलीला कमेटी,दारागंज रामलीला कमेटी तथा श्री कटरा रामलीला कमेटी एवं इन सभी कमेटियों के रामदल शहर की अन्य रामलीला से ज्यादा सुसंगठित थीं। श्री कटरा रामलीला कमेटी को छोड़कर सभी रामलीला कमेटी रावण–दहन करती हैं। प्रयागराज की पावन भूमि पर श्री कटरा रामलीला में रावण–दहन क्यों नहीं होता, यह जानने के लिए इतिहास के कुछ पन्नों को पीछे पलटने की आवश्यकता पड़ेगी। श्री कटरा रामलीला कमेटी जिस जगह पर रामलीला मंचन करती है, वह भरद्वाज आश्रम के करीब है। भरद्वाज आश्रम भरद्वाज मुनि की तपस्थली रही है। यहीं पर उनका परिवार भी रहता था। बेटी इलाविला का बाल्यकाल अपने पिता भरद्वाज मुनि के साथ बीता। इलाविला के बड़ी होने पर भरद्वाज मुनि ने उसका विवाह रावण के पिता घषि विश्रवा से कर दिया जिनसे कुबेर का जन्म हुआ। विश्रवा की दूसरी पत्नी कैकसी से रावण, कुम्भकर्ण, विभीषण और सूर्पनखा पैदा हुए थे। रावण, कुबेर के सौतेले भाई होने के कारण भरद्वाज मुनि के रिश्ते में नाती हुए। भरद्वाज के कारण ही यहाँ के लोग रावण को नाती मानते हैं। इसी रिश्ते की मर्यादा का निर्वहन कर,रिश्ते की जीवन्तता को

परिभाषित करते हुए तीनों लोकों के विजेता लंकाधिपति रावण की पूजा–अर्चना करते हैं तथा शोभा यात्रा निकालते हैं।इसमें हाथी,घोड़ा, बैण्ड बाजा,रोड लाइट के बीच रावण के साथ उनका कुनबा और मायावी सेना, प्रयागराज की सड़कों पर निकलती है। रावण के स्वागत के लिए जन सैलाब सड़कों पर आ जाता है। नाती होने के कारण ही यहाँ के लोग रावण को जलाते नहीं हैं बल्कि रावण के पुतले को दारागंज रामलीला कमेटी को सौंप देते हैं।

गरीबों के लिए मोदी सरकार का बड़ा फैसला

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में केंद्रीय मंत्रिमंडल की बैठक के बाद केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कैबिनेट बैठक में लिए गए फैसलों के बारे में जानकारी दी है। उन्होंने बताया कि आज कैबिनेट ने प्रधानमंत्री गरीब कल्याण योजना (पीएमजीकेएवाई) और अन्य कल्याणकारी योजनाओं के

तहत मुफ्त फोर्टिफाइड चावल की आपूर्ति जुलाई, 2024 से दिसंबर, 2028 तक जारी रखने को मंजूरी दे दी है। उन्होंने कहा कि उम्मीद है कि इससे एनीमिया और सूक्ष्म पोषक तत्वों की कमी कम हो जाएगी, कुल वित्तीय प्रभाव 17,082 करोड़ रुपये होगा और 100: वित्त पोषण केंद्र सरकार की तरफ से किया जाएगा। केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने आगे बताया कि, आज मंत्रिमंडल ने मंजूरी दी है कि गुजरात के लोथल में एक राष्ट्रीय समुद्री विरासत परिसर विकसित किया जाएगा। इस प्रस्ताव का उद्देश्य समृद्ध और विविध समुद्री विरासत को प्रदर्शित करना और दुनिया का सबसे बड़ा समुद्री विरासत परिसर बनाना है।

पीएम मोदी के आरोपों पर कांग्रेस का पलटवार

सुप्रिया श्रीनेत का सवाल- कब्रिस्तान, मुजरा और मंगलसूत्र का जिक्र किसने किया?

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी लगातार कांग्रेस पर लोगों को बांटने का आरोप लगा रहे हैं। इन सबके बीच कांग्रेस ने पीएम मोदी पर पलटवार किया है। पीएम मोदी की टिप्पणी पर कांग्रेस नेता सुप्रिया श्रीनेत ने कहा कि कोई भी पीएम मोदी और किसी भी कांग्रेस नेता या राहुल गांधी के चुनावी भाषणों को उठाकर देख सकता है कि हम एकता की बात करते हैं, हम प्यार की बात करते हैं। सुप्रिया श्रीनेत ने सवाल किया कि इस देश में नफरत फैलाने, लोगों को उनके कपड़ों, श्मशान, कब्रिस्तान, मुजरा, मंगलसूत्र से पहचानने का काम किसने किया है? ऐसा करने वाले तो प्रधानमंत्री ही हैं। कांग्रेस नेता ने कहा कि हकीकत तो यह है कि अगर प्रधानमंत्री को लगता है कि यह खुद पर है तो वह दोष दूसरों पर मढ़ सकते हैं। इस देश को बांटने का काम पीएम मोदी, उनकी पार्टी और उनकी सरकार ने किया है। कांग्रेस पार्टी इस देश को एकजुट करने का काम लगातार कर रही है और आगे भी करेगी। वहीं, पवन खेड़ा ने सवाल किया कि क्या पीएमओ इंडिया राजनीतिक भाषण देने और विपक्ष पर हमला करने के लिए एक सरकारी मंच और एक सरकारी कार्यक्रम का उपयोग करना चाहिए?

खेड़ा ने कहा कि करदाताओं के पैसे का इस्तेमाल राजनीतिक भाषण देने के लिए नहीं किया जा सकता और न ही किया जाना चाहिए? इसके लिए वह बीजेपी के मंच का इस्तेमाल कर सकते हैं। वहीं, आज महाराष्ट्र में एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मोदी ने कहा कि कांग्रेस का पूरा इकोसिस्टम, अर्बन नक्सल का पूरा गिरोह जनता को गुमराह करने में जुटा था। लेकिन कांग्रेस की सारी साजिशें ध्वस्त हो गई।

नेहा को पत्नी बताता था राजेंद्र, कर चुका था शादी

प्रयागराज में पिता बोला- दोनों को मारकर लटकाया गया, उसकी वजह से जेल गया था

प्रयागराज। प्रयागराज में युवक और युवती की लाश फंदे से लटकी मिली। युवक के पिता का आरोप है कि दोनों को मारकर लटकाया गया है। इस आरोप के बाद पुलिस जिसे सुसाइड केस मानकर चल रही थी। अब उसकी बारीकी से जांच कर रही है।

तीन डॉक्टरों के पैनल से पोस्टमॉर्टम कराने का आदेश है। ऐसे में सुबह से शाम हो गई। लेकिन, शवों का पोस्टमॉर्टम नहीं हो सका। पुलिस के सामने तीन सवाल हैं।

पहला– क्या दोनों की हत्या की गई?

दूसरा– क्या युवक ने युवती की हत्या की, उसके बाद उसकी बॉडी फंदे पर लटकाई और फिर खुद सुसाइड किया?

तीसरा– क्या दोनों सुसाइड किया है?

इन तीन सवालों के बीच 24 घंटे से केस अनसॉल्व है। पुलिस का मानना है कि पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट से तीनों सवालों के जवाब मिल सकते हैं। युवक के पिता का कहना है कि जमीन लिखवाने के लिए धमकी दी जा रही थी। इसके बाद हत्या कर दी गई।

इसके अलावा युवक के जेल जाने के बाद अवैध संबंध को लेकर एक कहानी सामने आई है। पुलिस सभी एंगलों पर जांच कर रही है।

राजेंद्र के पिता लगाए आरोप, दी तहरीर

मृतक राजेंद्र के पिता प्रभुनाथ ने शिवकुटी पुलिस को तहरीर दी है कि उनके बेटे भगवानदीन उर्फ राजेंद्र कुमार की हत्या की गई है। उनका कहना है कि राजेंद्र अपनी पत्नी नेहा के साथ ससुराल मेंहदौरी कॉलोनी आया था। ससुराल

वालों की मिलीभगत से एक अन्य युवक जो इस पूरे मामले में सबसे अहम है। उसने साजिश के तहत बेटे–बहू की हत्या कर दी। उन्हें फांसी पर जबरन लटकाया गया।प्रभुनाथ का आरोप है कि एक युवक घर आकर धमकी देता था। वह राजेंद्र के ससुराल वालों से जुड़ा है। उसका कहना था कि पांच बिस्वा जमीन लिख दो, नहीं तो बेटा भगवानदास जेल से छूटेगा तो जान से मार डालेंगे।

राजेंद्र पर जब पास्को एक्ट का केस हुआ था तो यही युवक सबसे आगे था। राजेंद्र के पिता का कहना है कि जेल में रहने के दौरान वह धमकी देकर धीरे–धीरे तीन लाख रुपए वसूल चुका है। वह धमका रहा था कि पांच बिस्वा जमीन और पांच लाख रुपए दे दो तो मुकदमें में सुलह करा देंगे। रकम न देने पर उसकी हत्या की गई है।

जेल से छूटा और प्रेमिका के साथ रहने लगा

मेंहदौरी स्थित ससुराल में फंदे से लटकता मिला राजेंद्र उर्फ भगवान दास कुछ माह पहले ही जेल से छूटा था। वह नेहा के प्यार में ही जेल गया था। उस पर पास्को एक्ट में मुकदमा दर्ज हुआ था। अभी भी उस मामले में अदालत में सुनवाई चल रही थी।

राजेंद्र के भाई अरविंद का कहना है कि 2021 में नेहा उर्फ लक्ष्मी नाबालिग थी, तो राजेंद्र उसे भगा ले गया था। इस पर नवाबगंज थाने में उसके खिलाफ पॉक्सो समेत अन्य धाराओं में केस दर्ज हुआ था। तीन साल तक जेल में रहने के बाद कुछ माह पहले बाहर आया। बाहर आने के बाद वे दोनों एक दूसरे के साथ पति–पत्नी की तरह रहने लगे। चर्चा रही की दोनों ने मंदिर शादी भी कर ली थी। पहले तो दोनों के घरवाले नाराज रहे लेकिन बाद में मान गए। लेकिन नेहा अधिकतर अपने मायके में रहती थी।

राजेंद्र के भाई ने क्या बताया

राजेंद्र के भाई अरविंद का आरोप है कि नवाबगंज में उसके एक भाई का ससुराल है। वहीं पर नेहा की मौसी का घर है। यहीं आने–जाने के दौरान दोनों की मुलाकात हुई थी। तीन साल पहले नेहा नाबालिग थी, तब राजेंद्र उसे भगा ले गया था। इस पर उसके खिलाफ केस दर्ज हुआ और जेल गया। लेकिन इसके बाद भी दोनों एक दूसरे के साथ रहने को तैयार रहे। यही वजह रही कि जेल से छूटने के बाद राजेंद्र ने उससे प्रेम विवाह कर लिया।

शादी के बाद भी नेहा अधिकतर अपने मायके में रहती थी। वह कभी कभी ससुराल आती थी। रविवार शाम को दोनों आए थे। सोमवार शाम पांच बजे ससुराल से फोन आने के बाद राजेंद्र ने घरवालों को बताकर नेहा को लेकर यहां आया था। सुबह भी नेहा और राजेंद्र से कुछ मिनट की बात हुई थी। लेकिन कुछ देर बाद उनके खुदकुशी की खबर मिली जो कि शक पैदा करती है। पुलिस के मुताबिक नवाबगंज दर्ज मुकदमे की बात भी पूछताछ में पता चली है लेकिन बाद में दोनों पक्षों से सुलह कर ली और पति–पत्नी की तरह रहने लगे।

जानिए क्या है पूरा घटनाक्रम

प्रयागराज में युवक–युवती एक ही कमरे में फंदे से लटके मिले। फांसी लगने से दोनों की मौत हो गई। दोनों लिव–इन रिलेशनशिप में साथ रहते थे। घरवालों का कहना है कि घर से भागने के बाद युवक के खिलाफ पास्को एक्ट में केस दर्ज हुआ था। वह जेल गया फिर जमानत पर आने के बाद दोनों साथ रहने लगे। दोनों का शव एक ही कमरें में रस्सी के सहारे लटका मिला।

बताते हैं कि रात में युवक–युवती के बीच विवाद हुआ था। आशंका यह भी है कि युवक ने पहले हत्या कर युवती को फंदे से लटका दिया फिर खुद फांसी लगा ली। हालांकि पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बाद ही तस्वीर साफ हो सकेगी।

खबर पाकर पुलिस अधिकारी पहुंच गए। फॉरेंसिक टीम जांच कर रही है। कमरे में सुसाइड नोट नहीं मिला है। घटना का कारण परिवार वाले भी नहीं बता पा रहे हैं। पुलिस पूछताछ कर रही है।

घटना शहर के शिवकुटी थाना क्षेत्र के मेंहदौरी इलाके में काशी राम आवास योजना की है। 30 साल के राजेंद्र उर्फ भगवान दास और उसकी पत्नी 20 साल की लक्ष्मी उर्फ नेहा के शव फंदे से लटके मिले हैं।

बेटी से ऐसी दरिंदगी की... आखिरी बार चेहरा नहीं देख सकी

प्रयागराज में मां ने कहा– हत्यारों को भी वैसी ही मौत मिले

प्रयागराज। श्घर के इस कमरे में बेटी सबसे ज्यादा वक्त बिताती थी। स्कूल से आने के बाद यहीं खेलती। वो देख रहे हैं न..., उसका बैग टंगा है खूंटी पर। बेटी के मरने के बाद इसे छूने की हिम्मत कोई जुटा नहीं पाया। मैं सोचकर कांप जाती हूं। कैसी दरिंदगी कर डाली...। चेहरा ऐसा कुचला कि आखिरी बार अपनी बेटी को देख तक नहीं पाई।श

ये कहते हुए मां रोने लगती हैं...। कुछ देर के लिए कमरे में सन्नाटा रहा।

हमने पूछा– बेटी महज 10 साल की थी। रेप हुआ। हत्या कर दी गई। अब आप किस तरह लड़ाई लड़ेंगे?

मां कहती हैं– कानून पर भरोसा है, हत्यारों को खोजकर पुलिस एनकाउंटर करेगी।

इतना कहने के बाद फिर एक दीवार की तरफ इशारा करते हुए कहती हैं, वो उसकी स्कूल ड्रेस हैं। उसके पापा बीमार रहते हैं, उनकी तकलीफ देखकर कहती थी कि डॉक्टर बनेगी। हम लोग उसकी मासूम बातों पर हंस देते थे। नहीं पता था कि बेटी हमें छोड़ जाएगी। जिस तरह से मेरी बच्ची को मारा गया है, उसी तरह उन दरिंदों को भी मारा जाना चाहिए। प्रयागराज में 3 अक्टूबर को 10 साल की बच्ची की हत्या कर दी गई। 16 घंटे से वह लापता थी। अगले दिन शुक्रवार यानी 4 अक्टूबर की सुबह 10 बजे घर से 200 मीटर दूर धान के खेत में शव मिला। शरीर पर कपड़े नहीं थे। गांव वालों ने रेप के बाद हत्या की आशंका जताई, जिसकी पुष्टि पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट में भी हुई। फोरेंसिक टीम ने घटनास्थल से सबूत जुटाए हैं। पुलिस ने ब्ब्ज्ट देखे, मगर कोई संदिग्ध व्यक्ति नहीं दिखा। मां ने कहा– मेरे पति की कूल्हे की हड्ड्डी टूटी हुई है, डेढ़ साल पहले

हादसा हो गया था। 2 बार ऑपरेशन हो चुका है। मगर, अभी तक बिस्तर से उठ नहीं पाते हैं। हर दिन इंजेक्शन लगते हैं। उस दिन भी मैं अपनी बेटी को लेकर बाजार गई थी। इंजेक्शन जरूरी था, इसलिए बेटी के हाथ भिजवा दिया। मैंने बेटी से कहा था कि तुम इंजेक्शन लेकर पापा के पास चलो, मैं सब्जी लेकर आती हूं। वह खेत के रास्ते सीधे घर पहुंची। पापा को इंजेक्शन लगवाने के बाद बचे हुई सिरिंज लेकर वह फिर बाजार की तरफ लौट पड़ी। क्योंकि हमारे घर में फ्रिज नहीं है। बचे हुए इंजेक्शन को फ्रिज में ही रखना था। रास्ते में स्कूल के पास बेटी हमसे मिली, तब हमने कहा– इंजेक्शन रखकर जल्दी घर आ जाओ। यह कहकर मैं घर लौट आई, मगर वह उस रात घर नहीं आई। हम घबराए हुए रात में वहां पहुंचे, जहां इंजेक्शन रखवाने वो गई थी। हमें बताया गया कि वह तो तुरंत ही लौट गई। हम समझ गए कि कुछ तो अनहोनी हुई है। इसके बाद हम लोग खेतों में बेटी को खोजते रहे। सुबह घर से कुछ ही दूर पर धान के खेत में कुछ लोग खड़े दिखे। हम वहां पहुंचे। दिल दहल गया। मेरी बच्ची के चेहरे को ईंट से इतना कुचला गया था कि उसका चेहरा देखने लायक नहीं बचा था। दांत तक तोड़ दिए गए थे, सिर में बहुत चोटें थीं। वो मंजर मेरी आंखों के सामने से हटता नहीं। अब हमने गांव के लोगों की तरफ रुख किया। गांव में रहने वाले एक शख्स हमें घर से बाजार की तरफ जाने वाले रास्ते पर मिले। हमने पूछा – उस दिन क्या हुआ था? उन्होंने कहा – मीडिया से हैं। हमने हां में जवाब दिया। वह बोले– बहुत गलत हुआ। गांव के बच्चों में इतनी दहशत है कि कोई घर से बाहर नहीं आता है। गांव में अजीब सा सन्नाटा पसरा रहता है।

मुस्लिम चेहरे पर ही दांव, फूलपुर से मुज्तबा सपा उम्मीदवार

कांग्रेस की दावेदारी को झटका, तीन बार एमएलए रहे हैं मुज्तबा

प्रयागराज। प्रयागराज की फूलपुर सीट पर उप चुनाव के लिए समाजवादी पार्टी ने उम्मीदवार घोषित कर दिया। सपा ने मुस्लिम चेहरे पूर्व विधायक मुज्तबा सिद्दीकी पर ही दांव लगाया है। मुस्लिम–यादव प्रत्याशी से इतर दूसरी जाति का उम्मीदवार उतार वोट खींचने की अटकलों को विराम लग गया।

साथ ही कांग्रेस की फूलपुर सीट पर दावेदारी खत्म हो गई। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता लगातार फूलपुर में सम्मेलन कर संदेश दे रहे थे कि यह सीट उनके खाते में आएगी।

हालांकि मुज्तबा सिद्दीकी लातार फूलपुर सीट पर प्रचार में जुटे थे। उनके करीबी लोगों का साफ कहना था कि सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने तैयारी के लिए बोल दिया है।

मुज्तबा सिद्दीकी तीन बार विधायक रह चुके हैं। वे 2002 से 2012 तक सोरांव विधानसभा सीट से विधायक चुने गए। इकसे बाद 2017 में प्रतापपुर विधानसभा सीट से विधायक बने। वर्ष 2022 के चुनाव में वह फूलपुर से चुनाव लड़े लेकिन 2775 वोटों से हार गए थे।

प्रयागराज की फूलपुर सीट प्रदेश की हॉट सीटों में शुमार है। जातीय गणित की वजह से अभी तक भाजपा ने भी यहां से उम्मीदवार नहीं घोषित किया है। बसपा ने फूलपुर सीट से शिव बरन पासी को उम्मीदवार बनाया है।

भाजपा के प्रवीण पटेल के सांसद बन जाने के बाद यह सीट खाली हुई थी। हालांकि लोकसभा चुनाव में प्रवीण पटेल सपा के अमरनाथ मौर्या से इस विधानसभा सीट पर पीछे रह गए थे।

फूलपुर सीट पर ओवैसी और पल्लवी पटेल की पीडीएम भी फूलपुर सीट से प्रत्याशी उतारने की तैयारी में हैं। ऐसे में इस सीट पर चुनावी गणित काफी बिगड़ने वाला है।

यूपी की हॉट सीट फूलपुर, सबकी निगाहें

यूपी की हॉट सीटों में शुमार प्रयागराज की फूलपुर विधानसभा सीट पर चुनावी सरगर्मी तेज हो गई है। सपा ने यहां से तीन बार के विधायक रहे मुज्तबा सिद्दीकी को मैदान में उतार दिया है।

यहां के उप चुनाव देश की नजरे हैं। सीएम योगी आदित्यनाथ फूलपुर का दौरान कर लौट गए हैं। डिप्टी सीएम केशव मौर्या को यहां का चुनाव प्रभारी बनाया गया है। मंत्री नंदी, पूर्व मंत्री सिद्धार्थनाथ सिंह समेत संघ और भाजपा के बड़े नेताओं की प्रतिष्ठा इस सीट पर दांव पर होगी। राहुल और अखिलेश भी इस सीट को खास तवज्जो दे रहे हैं।

256 विधानसभा फूलपुर जातिगत आंकड़े

ओबीसी वोटर – 43 प्रतिशत

जनरल – 25 प्रतिशत

मुस्लिम – 15 प्रतिशत

एससी – 18 प्रतिशत

2024 में भाजपा को मिले विधानसभा में मत

फाफामऊ 80160

सोरांव 83376

फूलपुर 89650

पश्चिमी 106414

उत्तरी 91440

भाजपा– 2019 में मिले विधानसभा के मत

फाफामऊ 103503

सोरांव 106088

फूलपुर 110137

उत्तरी 106303

2024 में सपा को मिले विधानसभा के मत

फाफामऊ 88999

सोरांव 96312

फूलपुर 107510

पश्चिमी 91629

उत्तरी 61735

2019 में सपा को मिले विधानसभा के मत

फाफामऊ 78298

सोरांव 88454

फूलपुर 99553

पश्चिमी 59622

उत्तरी 45391

2 लाख 46 हजार 588 वोट विधानसभा 2022 के चुनाव में पड़े थे

बीजेपी के प्रवीण पटेल –1 लाख 3 हजार 557 वोट पाए थे।

प्रवीण पटेल 2732 वोट से 2022 का विधानसभा चुनाव जीते थे।

सपा के मुज्तबा सिद्दीकी 1 लाख 825 वोट पाकर दूसरे स्थान पर थे।

बीएसपी के रामतौलन यादव 33 हजार 36 वोट पाकर तीसरे स्थान पर थे।

लोकसभा चुनाव में बीजेपी के प्रवीण पटेल को कुल 4 लाख 52 हजार 600 वोट मिले

सपा के अमरनाथ मौर्य को 4 लाख 48 हजार 268 वोट मिले थे।

बीजेपी के प्रवीण पटेल 4332 वोट से लोकसभा चुनाव जीते थे।

लोकसभा चुनाव में प्रवीण पटेल जीत जरूर गए लेकिन अपनी विधानसभा फूलपुर में सपा प्रत्याशी से 17860 मतों से हार गए थे।

फूलपुर सीट का इतिहास भी जानिए

उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में फूलपुर विधानसभा सीट है। इसी नाम से यानि फूलपुर लोकसभा सीट भी है। 2022 के विधानसभा चुनाव में भाजपा के प्रवीण सिंह पटेल चुनाव जीते थे।

2024 के चुनाव में भाजपा ने उन्हें फूलपुर लोकसभा सीट से प्रत्याशी बना दिया। प्रवीण पटेल चुनाव जीत गए। अब इस सीट पर उप चुनाव होना है।

फूलपुर विधानसभा सीट से 1962 के चुनाव में राममनोहर लोहिया चुनाव हार गए थे। 1977 में जनता पार्टी के 1980 में कांग्रेस के अबुल कलाम चुनाव जीते।

1989 में बहुजन समाज पार्टी (बसपा) के रमाकांत विधायक बने थे। फूलपुर विधानसभा सीट से 1991 में जनता पार्टी और 1993 में समाजवादी पार्टी (सपा) के टिकट पर रमाकांत यादव चुनाव जीते। इसके बाद कांग्रेस के रामनरेश यादव, 2007 में सपा के अरुण कुमार यादव विधायकी जीते।

फूलपुर विधानसभा सीट से 2017 के विधानसभा चुनाव में बीजेपी से प्रवीण पटेल, निकटतम प्रतिद्वंदी सपा के मंसूर आलम को 26613 वोट से हराकर जीती थी। बसपा के मंसूर शेख तीसरे और निर्दलीय राम किशुन सिंह चौथे स्थान पर रहे थे।

अयोध्या, महाकुंभ, ताजमहल एंटी ड्रोन सिग्नल से लैस होगा

दुश्मन ड्रोन को हवा में ही मार गिराएगा, 9 टेथर्ड ड्रोन भी खरीदे जाएंगे

प्रयागराज। प्रयागराज महाकुंभ मेला के साथ अयोध्या में राम मंदिर, गोरखपुर में गोरखनाथ मंदिर, काशी विश्वनाथ जैसे धार्मिक स्थलों और ताजमहल की सुरक्षा आसमान से ड्रोन परखेंगे। यूपी पुलिस 9 टेथर्ड ड्रोन खरीदने जा रही है। इसके साथ ही इन जगहों को एंटी ड्रोन सिग्नल से लैस किया जाएगा। एंटी ड्रोन सिस्टम ड्रोन हमले को रोकता है।

यह दो तरह से काम करता है, हार्ड किल और सॉफ्ट किल। अगर इसको हार्ड किल कमांड दी जाती है तो यह अपने लेजर बीम के जरिए दुश्मन ड्रोन को हवा में ही मार गिराता है। वहीं, सॉफ्ट किल के तहत दुश्मन ड्रोन को नीचे ला सकता है या फिर लेजर बीम के जरिए उसके जीपीएस और इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों को खराब कर देता है, जिससे ऑपरेटर से दुश्मन ड्रोन का संपर्क टूट जाता है।

यूपी पुलिस के सुरक्षा मुख्यालय के प्रस्ताव को गृह मंत्रायल ने मंजूर कर लिया है। ड्रोन खरीदने के लिए 4.61 करोड़ रुपए मंजूरी हुए हैं। गृह विभाग की ओर से जारी शासनादेश के मुताबिक, एक टेथर्ड ड्रोन की कीमत 51.33 लाख रुपए प्रस्तावित की गई है।

क्या होते हैं टेथर्ड ड्रोन

टेथर्ड ड्रोन का इस्तेमाल सेना बॉर्डर की निगरानी के लिए करती है। आसमान से करीब ढाई किलोमीटर की रेंज की निगरानी की जा सकती है। बैटरी के बजाए इसे जेनसेट से तार

या केबल के जरिए जोड़ा जाता है, इसलिए इसकी उड़ान भरते की टाइमिंग अनलिमिटेड होती है। तार के जरिए ग्राउंड स्टेशन से जुड़े होने की वजह से इनमें डेटा ट्रांसमिशन बेहतर तरीके से होता है और पावर सप्लाई में भी रुकावट नहीं आती है।

केबल के जरिए जुड़े होने के चलते इनके क्रैश या हैक होने की आशंका न के बराबर होती है। केबल से बंधे होने के कारण इनका मूवमेंट काफी कम होता है, इसके चलते इन्हें चलाने के लिए पायलट स्किल की बहुत जरूरत नहीं होती है। बेसिक ट्रेनिंग देकर पुलिसकर्मी इन्हें आसानी से ऑपरेट कर सकते हैं।

एंटी ड्रोन सिग्नल से लैस होगा महाकुंभ

महाकुंभ को एंटी ड्रोन सिस्टम से लैस किया जाएगा। सेटअप हो जाने के बाद सिक्योरिटी टीम के अलावा कोई भी ड्रोन हवा में नहीं जाने दिया जाएगा। तकनीक के जरिए ऐसा किया जाएगा। यदि कोई ड्रोन उड़ाने की कोशिश करेगा तो कंट्रोल रूम में रेड सिग्नल आएंगे।

प्रयागराज की रामलीला में पहली बार त्रेता जैसी आरती

प्रभु श्रीराम–मां सीता को नजर न लगे, इसलिए हुआ ढेढ़िया नृत्यय भावुक हुए दर्शक

प्रयागराज। प्रयागराज में दशहरे का उत्सव अलग ही रंग बिखेरता है। पूरी रात सिविल लाइंस के रामदल में भक्ति की धारा बही। इस बार सिविल लाइंस के रामदल में एक अहम परंपरा पूरी की गई। गायिका स्वाती निरखी की अगुवाई में प्रभु श्रीराम

लक्ष्मण और माता सीता की लोक परंपरा के अनुसार ढेढ़िया नृत्य के द्वारा नजर उतारी गई। साथ ही भव्य और दिव्य आरती की गई। प्राचीन काल में त्रेता युग में जब प्रभु श्री राम अपना 14 वर्षों का वनवास पूर्ण करके अयोध्या वापस लौट रहे थे, तब प्रयाग आने पर प्रयागराज वासियों ने ढेढ़िया से अपने आराध्य श्री राम की नजर उतारी थी। इस परंपरा को आगे बढाते हुए सिविल लाइंस उद्योग व्यापार मंडल द्वारा यह भव्य कार्यक्रम किया गया। सिविल लाइंस में निकले ऐतिहासिक राम दल में सिविल लाइंस उद्योग व्यापार मंडल द्वारा विशाल मंच लगाया गया। मंडल अध्यक्ष नीरज जायसवाल पार्षद पंकज जयसवाल आदि की देखरेव में रामदल का आरती कार्यक्रम हुआ।

बुलंदशहर की बच्ची को मिलेगा 23. 69 लाख मुआवजा

हाईकोर्ट का आदेश- आगरा से बुलंदशहर जाते वक्त कार ट्रक से टकराई थी, अपंग हो गई बच्ची

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने कार व ट्रक की भिड़ंत में 75 प्रतिशत अपंग हो चुकी ढाई साल की बच्ची को बतौर मुआवजा 23 लाख 69 हजार 971 रुपये इन्श्योरेन्स कंपनी को देने का निर्देश दिया है। यह मुआवजा ओरिएंटल इंश्योरेंस कंपनी को बच्ची को देना है। जिस ट्रक से एक्सिडेंट हुआ था उसका इन्श्योरेन्स ओरिएंटल इंश्योरेंस कंपनी ने किया था।

यह आदेश जस्टिस वीसी दीक्षित ने बुलंदशहर की बच्ची कुमारी चीनू की तरफ से बतौर गार्जियन उसकी मां द्वारा दाखिल अपील पर दिया। एक्सिडेंट की घटना 22 अगस्त 2005 की है। बच्ची अपने माता–पिता के साथ मारुति कार से आगरा से बुलंदशहर के रास्ते जा रही थी तभी कार की ट्रक से आमने–सामने भिड़ंत हो गई थी।

पहले 2 लाख 17 हजार 715 रुपये मुआवजा पर राजी हुए

इस दुर्घटना में बच्ची 75 प्रतिशत अपंग हो गई। बुलंदशहर में क्लेम दाखिल किया गया था, परन्तु कोर्ट ने दोनों गाड़ियों की गलती मानते हुए बच्ची को 2 लाख 17 हजार 715 रुपये मुआवजा देने का निर्देश दिया था। इस आदेश के खिलाफ मुआवजा राशि बढ़ाने के लिए बच्ची की तरफ से हाईकोर्ट में अपील दाखिल की गई थी।

अधिवक्ता एस डी ओझा का कहना था कि क्लेम ट्रिब्यूनल ने दोनों वाहन चालकों को योगदाई उपेक्षा (कन्ट्रिब्यूटरी नेग्लिजेन्श) का दोषी ठहराते हुए मुआवजे के निर्धारण में गल्ती की है। कहा गया कि इस घटना में योगदाई उपेक्षा नहीं थी, बल्कि गल्ती ट्र्क के ड्राइवर की थी।

हाईकोर्ट ने अपील में बच्ची की दुर्घटना में हुई 75 प्रतिशत अपंगता, उसके साथ रहने वाले सहयोगी का चार्ज , भविष्य की इनकम, विवाह खर्च्च आदि पर विचार कर मुआवजा राशि बढा दी है तथा ओरिएंटल इन्श्योरेन्स कंपनी को बच्ची को 23 लाख 69 हजार 971 रुपए देने का निर्देश दिया है।

वीबीपीएस में धूमधाम से मना में दशहरा

संदीपनघाट। आज विष्णु भगवान पब्लिक स्कूल काजीपुर, कौशांबी में दशहरा अवकाश से पूर्व दशहरा उत्सव के अंतर्गत एक छोटा सा सांस्कृतिक कार्यक्रम किया गया। इसमें सर्वप्रथम बच्चों ने गणेश वंदना नृत्य, राम सिया राम पर आध ारित नृत्य तथा गरबा करके माहौल को उल्लास से भर दिया। इसके बाद श्री राम, लक्ष्मण, सीता और हनुमान की पूजा करके प्रधानाचार्या श्रीमती प्रीति मिश्रा ने कार्यक्रम का शुभारंभ किया। इसी क्रम में उन्होंने नवदुर्गा की नौ मूर्तियों का भी पूजन–अर्चन किया। इसके बाद श्रीराम ने रावण का दहन किया और पूरा वातावरण जय श्री राम, सियावर रामचंद्र की जय, लखनलाल की जय, बजरंगबली की जय आदि नारों से गूंज उठा।

प्रधानाचार्या ने कहा कि यह त्यौहार बुराई पर सच्चाई की जीत का त्यौहार है हम रावण को प्रतीक रूप से मारते हैं तात्पर्य है कि रावण के अंदर छिपी बुराइयां जो हमारे अंदर भी है उन्हें समाप्त करने का हम सबको संकल्प लेना चाहिए तभी दशहरा पूर्ण हो सकता है।

इस अवसर पर उत्थान संस्था के सचिव डॉक्टर केके तिवारी अध्यक्ष धीरेंद्र कुमार और मैनेजिंग डायरेक्टर अभिषेक तिवारी ने बच्चों व उनके परिवार के लोगों को दशहरे की शुभकामनाएं दी। कार्यक्रम का संचालन वरिष्ठ शिक्षक राकेश मालवीय ने किया। कार्यक्रम के रूपरेखा तैयार करने में सदफ शेख और श्वेता ने अपना पूरा सहयोग दिया। इस अवसर पर पीटीआई नकुल तिवारी, रिक्की, मनीष अग्रहरि, आरपी ओझा, दीक्षा अग्रहरि, सुधा पांडे सहित पूरा विद्यालय परिवार उपस्थित रहा।

सपा ने जारी की 6 उम्मीदवारों की लिस्ट, 4 सीटों पर अखिलेश करेंगे फैसला, गठबंधन पर भी ध्यान

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में 10 सीटों पर होने वाले उपचुनाव को लेकर सपा पहले से कमर कसती हुई दिखाई दे रही है। उपचुनाव के लिए अधिकतर सीटों पर अपने प्रत्याशियों के नाम तय कर दिए हैं। इन प्रत्याशियों के नाम पहले से ही तय किए जा चुके थे लेकिन अब पार्टी की तरफ से अधि ाकारिक तौर पर ऐलान कर दिया गया है। बता दें कि ज्यादातर सीटों पर उम्मीदवार उसी परिवार से तय किया गया है, जो पहले वहां चुनाव लड़ चुका है। पार्टी में चर्चा यह भी है कि जहां प्रत्याशी तय किए गए, वहां अंतिम समय में कुछ फेरबदल भी हो सकता है। मिल्कीपुररू यह सीट फैजाबाद से चुनाव जीते अवधेश प्रसाद के इस्तीफे से खाली हुई है। अब इस सीट से सपा ने अवध ेश प्रसाद के बेटे अजीत प्रसाद का नाम प्रत्याशी के रूप में फाइनल किया है। करहलरू मैनपुरी की करहल सीट अखिलेश यादव के सांसद चुने जाने से खाली हुई है। सपा यहां से मैनपुरी के सांसद रह चुके तेज प्रताप यादव को प्रत्याशी बनाएगी। तेज प्रताप की सक्रियता करहल क्षेत्र में काफी बढ़ गई है। तेज प्रताप अगर करहल से जीत हासिल करने में कामयाब होते हैं, तो वह मुलायम परिवार के 8वें सदस्य होंगे जो मौजूदा समय में किसी न किसी सदन के सदस्य होंगे। लोकसभा में अखिलेश यादव, डिंपल यादव, धर्मेंद्र यादव, अक्षय यादव, आदित्य यादव, राज्यसभा में राम गोपाल यादव और यूपी विधानसभा में शिवपाल यादव पहले से सदस्य हैं। कटहरीरू अंबेडकर नगर की कटहरी सीट लालजी वर्मा के सांसद चुने जाने से खाली हुई। यहां से लालजी वर्मा की पत्नी सुभावती वर्मा प्रत्याशी होंगी। वह ब्लॉक प्रमुख रह चुकी हैं। हालांकि इस सीट से कई और दावेदार थे, जिनकी दावेदारी को फिलहाल खारिज कर दिया गया है। सीसामऊरू सीसामऊ से विधायक रहे इरफान सोलंकी को 7 साल की सजा होने के कारण यह सीट खाली हुई। यहां से सपा ने इरफान सोलंकी की पत्नी नसीम सोलंकी को उम्मीदवार बनाया जाएगा। सिर्फ घोषणा भर बाकी है। मझवांरू मिर्जापुर जिले की इस सीट पर भदोही के पूर्व सांसद रमेश बिंद की बेटी डॉ. ज्योति बिंद को प्रत्याशी बनाएगी। रमेश बिंद लोकसभा चुनाव से ठीक पहले भाजपा छोड़ सपा में आ गए थे। सपा ने उन्हें मिर्जापुर से टिकट दिया था। रमेश बिंद मिर्जापुर सीट से हार गए थे। कुंदरकीरू इस विधानसभा सीट से सपा के पूर्व विधायक हाजी रिजवान पर दांव लगाने जा रही है। हाजी रिजवान 2012 और 2017 में इस सीट से विधायक रह चुके हैं। 2022 के चुनाव में सपा ने यहां से शफीकुर्रहमान बर्क के पौत्र को टिकट दिया था। जियाउर्रहमान वर्क यहां से पहले विधायक चुने गए। शफीकुर्रहमान बर्क का निधन हुआ, तो 2024 के लोकसभा चुनाव में उनके पौत्र को टिकट दे दिया। उनके सांसद चुने जाने के बाद कुंदरकी सीट खाली हुई। फूलपूररू इस विध ानसभा सीट से सिद्दकी को उम्मीदवार बनाया गया है। वहीं, सूत्रों का कहना है, मीरापुर सीट के लिए प्रत्याशियों के नाम तय नहीं हो सके हैं। जल्द ही इन सीटों पर भी अखिलेश यादव फैसला ले लेंगे। बाकी दो सीटें गाजियाबाद और खैर पर कांग्रेस को गठबंधन में दे सकती है। इसलिए इस पर अभी नाम तय नहीं किया है।

मां जगत जननी युवा कमेटी की तरफ से दुर्गा पूजा अनुष्ठान

प्रयागराजसकरेहदा,(तारापुर) भोपतपुर शारदीय नवरात्रि के पावन अवसर पर डॉ अतुल शर्मा ने अपनी पत्नी परिवार व मोहल्ले के लोगो के साथ मिलकर अपने आवास पर दुर्गा पूजा की रस्में निभाईं। जिसमे अश्वनी पटेल श्रीयांशू पटेल मोनू शर्मा मनीलाल यादव नीरज शर्मा भैय्यान यादव

उज्जवल शर्मा पंकज शर्मा छोटू विश्वकर्मा अनीस जित्तू वर्मा अजीत पटेल प्रदुम सिंह मनीष यादव कैलाशनाथ विश्वकर्मा इंद्रजीत सुनील मंजीत अविनाश अभिषेक पटेल संदीप साहू शिवम केडी दिनेश गोलू वर्मा चौधरी समीर आदि ने पवित्र कलश स्थापना के साथ शुद्ध मन, भक्ति और पारंपरिक रीति–रिवाजों के साथ देवी दुर्गा की पूजा–अर्चना की।डॉ अतुल शर्मा ने दुर्गा माता से सभी लोगों के जीवन में शांति, समृद्धि और खुशहाली की प्रार्थना की। इस उत्सव में मां दुर्गा के नौ दिव्य रूपों के प्रति श्रद्धा और भक्ति का प्रदर्शन किया गया।

सुलेख प्रतियोगिता में मुस्कान रहीं अव्वल

करछना।पठन पाठन के साथ साथ सुलेख का भी अपना अलग महत्व है।अच्छे लेखन का भी देखने और पढ़ने के दौरान मन मस्तिष्क पर अच्छा असर पड़ता है। परीक्षाओं में भी कापियां जांचते समय उत्तर पुस्तिका परीक्षकों पर भी इसका प्रभाव पड़ता है।बच्चों को चाहिए कि प्रतिदिन सभी बिषयों के लेखन के समय अपनी राइटिंग पर विशेष ध्यान दें। यह बातें रामपुर स्थित बृजमंगल सिंह इंटर कॉलेज में जूनियर बालिका वर्ग की सुलेख प्रतियोगिता के पूर्व प्रधानाचार्य मनीष तिवारी ने कही। इसके

उपरांत सम्पन्न हुई प्रतियोगिता में कक्षा 10की छात्रा मुस्कान पहले स्थान पर रहीं। इसी कक्षा की मुस्कान प्रजापति, ममता मिश्रा और सोनाली को बराबर अंक मिला जो संयुक्त रूप से दूसरे और 10 ब की प्रतिमा,मनीषा और ईषा को भी बराबर अंक मिला और संयुक्त रूप से तीसरे स्थान पर रहीं। इस मौके पर 65छात्राओं ने सुलेख प्रतियोगिता में भाग लिया।

बहुजन समाज के आत्म सम्मान की राह में बाधा हैं भाजपा, कांग्रेस और सपा: मायावती

लखनऊ। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की अध्यक्ष मायावती ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा), कांग्रेस और समाजवादी पार्टी (सपा) को बहुजन समाज के आत्म सम्मान और स्वाभिमान के आंदोलन की राह में बाधा करार देते हुए बुधवार को दावा किया कि बसपा ही उनकी 'सच्ची मंजिलश है जो उन्हें 'शासक वर्गश का हिस्सा बनाने के लिए संघर्ष कर रही है। मायावती ने बसपा संस्थापक कांशीराम के 18वें परिनिर्वाण दिवस पर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए 'एक्सश पर सिलसिलेवार पोस्ट किया। उन्होंने कहा कि बामसेफ, डीएस4 व बसपा के जन्मदाता एवं संस्थापक बहुजन नायक मान्यवर श्री कांशीराम जी को आज उनके परिनिर्वाण दिवस पर शत–शत नमन व अपार श्रद्धा–सुमन अर्पित तथा उत्तर प्रदेश एवं देश भर में उन्हें विभिन्न रूपों में श्रद्धांजलि अर्पित करने वाले पार्टी के सभी लोगों व अनुयाइयों का तहेदिल से आभार। बसपा प्रमुख ने विरोधी पार्टियों पर निशाना साधते हुए कहा कि गांधीवादी कांग्रेस व आरएसएसवादी (राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ) भाजपा व सपा आदि उनकी (बहुजन समाज) हितैषी नहीं बल्कि उनके आत्म–सम्मान व स्वाभिमान आंदोलन की राह में बाध ा हैं, जबकि अम्बेडकरवादी बसपा उनकी सही–सच्ची मंजिल है, जो उन्हें मांगने वालों से देने वाला शासक वर्ग बनाने के लिए संघर्षरत है। यही आज के दिन का संदेश है। उन्होंने कहा कि देश में करोड़ों लोगों के लिए गरीबी, बेरोजगारी व जातिवादी द्वेष, अन्याय–अत्याचार का लगातार तंग व लाचार जीवन जीने को मजबूर होने से यह साबित है कि सत्ता पर अधिकतर समय काबिज रहने वाली कांग्रेस व भाजपा आदि की सरकारें न तो सही से संविधानवादी रही हैं और न ही उस नाते सच्ची देशभक्त हैं।

रामलीला मंच के पास से हटाए जाने पर आहत हुआ दलित दर्शक, उठाया दिल दहला देने वाला कदम

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के कासगंज जिले में रामलीला मंच के पास से हटाए जाने पर आहत हुए एक दलित दर्शक ने कथित दर्शक ने की आत्महत्या कासगंज पुलिस की ओर से जारी बयान में बताया गया कि सोरों थाना क्षेत्र के सलेमपुर बीबी इलाके में सोमवार

रूप से आत्महत्या कर ली। पुलिस के एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। अधिकारी के मुताबिक, सोरों थानाक्षेत्र में आयोजित रामलीला के दौरान पुलिस द्वारा कथित तौर पर अपमानित किए जाने से आहत होकर एक दलित दर्शक ने आत्महत्या कर ली। वहीं पुलिस ने बताया कि आयोजकों द्वारा व्यक्ति को शराब के नशे में होने के बाद वहां से हटाया गया। रामलीला मंच के पास से हटाये जाने पर दलित सुबह रमेश चंद्र (45) अपने घर में फंदे से लटका हुआ पाया गया। पुलिस के अनुसार, "रामलीला आयोजन समिति के सभी सदस्यों ने सोरों थाना के प्रभारी निरीक्षक (एसएचओ) को एक प्रार्थना पत्र देकर कहा कि रमेश नशे की हालत में कार्यक्रम के दौरान मंच पर आया और बैठ गया, जिसके बाद आयोजकों और ग्रामीणों ने वहां मौजूद पुलिसकर्मियों से उसे हटाने के लिए कहा और तुरंत बाद उसके दोनों भांजे धारा सिंह और मुन्नेंद्र उसे घर लेकर चले गए। पुलिस ने बताया कि आयोजकों ने बताया कि वह पिछले दो–तीन दिनों से शराब पीकर रामलीला कार्यक्रम में आ रहा था। पुलिस के मुताबिक, मृतक की पोस्टमार्टम रिपोर्ट में किसी भी तरह की चोट के निशान नहीं हैं और घटना में शामिल दोनों पुलिसकर्मियों को तत्काल प्रभाव से पुलिस लाइन भेज दिया गया है। पुलिस ने बताया कि मामले की जांच अपर पुलिस अधीक्षक राजेश कुमार भारतीय कर रहे हैं और जांच के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। वहीं अखिलेश ने 'एक्सश पर एक पोस्ट में कहा कि उप्र के कासगंज में रामलीला देखते समय मंच के करीब कुर्सी पर बैठने के लिए पुलिस द्वारा अपमानित व पीटे जाने के बाद एक दलित की आत्महत्या का समाचार बेहद दुखद और सामाजिक रूप से चिंताजनक है। सपा प्रमुख ने कहा कि आजादी का तथाकथित अमृतकाल मना रही भाजपा सरकार के समय में प्रभुत्ववादी सोच को जो बढ़ावा दिया जा रहा है। ये उसका ही परिणाम है कि पीडीए (पिछड़ा, दलित और अल्पसंख्यक) के साथ ऐसा अपमानजनक व्यवहार करने का दुस्साहस किया जा रहा है। अखिलेश ने दावा किया कि पीडीए समाज का शारीरिक अपमान दरअसल पीडीए के लोगों को मानसिक रूप से कमजोर करने के एक बड़े मनोवैज्ञानिक षड्यंत्र का हिस्सा है।

हरियाणा विधानसभा चुनाव में कांग्रेस की हार

लखनऊ। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने मंगलवार को हरियाणा में कांग्रेस की उम्मीदों को तोड़ते हुए और 10 साल की कथित सत्ता विरोधी लहर को बेअसर करते हुए शानदार जीत हासिल की और सत्ता की 'हैट्रिकश लगाई। वहीं इसके बाद अब उत्तर प्रदेश में होने वाले उपचुनाव को लेकर समाजवादी पार्टी भी प्रेशर पॉलिटिक्स शुरू कर दी है। सूत्रों की मानें तो उपचुनावों में सीट शेयरिंग को लेकर यूपी में अग्रेसिव दिख रही कांग्रेस को सपा ने झटका देना शुरू किया। बिना गठबंध न फाइनल किये ही 6 सीटों पर अपना कैंडिडेट घोषित कर दिया है। बताया जा रहा है कि कांग्रेस पार्टी को अब समाजवादी पार्टी सिर्फ एक सीट ही देने पर विचार कर रही है। सूत्रों के मुताबिक फूलपुर सीट का ही कांग्रेस को सपा देने का प्रस्ताव दे सकती है, क्योंकि हरियाणा विधानसभा में समाजवादी पार्टी चुनाव लड़ने के मूड में थी लेकिन कांग्रेस से गठबंधन को लेकर बात नहीं बनी इस वजह से समाजवादी पार्टी ने हरियाणा में चुनाव नहीं लड़ा। उसके बावजूद भी कांग्रेस पार्टी को हरियाणा में कांग्रेस को हार का सामना करना। गौरतलब है कि सत्ता विरोधी लहर के बावजूद भी बीजेपी ने शानदार जीत दर्ज की है।

विश्वनाथ चारिआलि के मिलिजुली सार्वजनिक श्री श्री दुर्गोत्सव समिति के पूजा मंडप (पंडाल)बना आकर्षण का केंद्रबिंदु

पूजा पंडाल में पूर्वोत्तर भारत के विभिन्न जनगोष्ठी का जातीय स्वरूप आलोकित

विश्वनाथ, असम, स देश में शारदीय नवरात्र के उत्साह के बीच विश्वनाथ चारिआलि शहर के आमबाड़ी में स्थित मिलिजुली सार्वजनिक श्री श्री दुर्गोत्सव समिति के पूजा मंडप (पंडाल)बना आकर्षण का केंद्रबिंदु बन पड़ा है।इस पूजा पंडाल में पूर्वोत्तर भारत विभिन्न के विभिन्न जनगोष्ठी का जातीय स्वरूप का आलोकितघ किया गया। जिसमें सर्वप्रथम विश्व विख्यात एक सींग वाले गैंडा के साथ वैचित्र्यमय असम के झलक, अरूणाचल प्रदेश के न्यौकूम उत्सव, नागालैंड के पारंपरिक उत्सव हर्नबिल और असम के जातीय उत्सव बिहू, बागरूम्बा, आलि आऐं लिगांग, झूमूर आदि नृत्य का प्रदर्शित किया गया है। बूंदाबांदी बारिश के बीच आज सुबह से ही षष्ठी तिथि के बाद इस पूजा पंडाल में श्रद्धालुओं का तांता लगा रहा है। इधर जिले के साहित्यकार , समाजिक कार्यकर्ता आदि ने इस पूजा पंडाल की आलोक सजा से अभिभूत होकर समिति की पदाधिकारी की सराहना की।

माँ कालरात्रि

माँ कालरात्रि नमन
माँ का करते पूजन
मिटता उर– अज्ञान
सत्मार्ग दिखाइए।।

गले में विद्युत माल
तन पर लाल शॉल
त्रिनेत्री बिखरे बाल
कष्टों को हटाइए।।

माता चारभुजा धारी
दाहिने हाथ आशीष
दूजे खड्ग तीजे वज्र
असुर भगाइए।।

माँ–अर्चना फलदायी
जीवन हो सुखदायी
न अकाल मृत्यु भय
खुशियाँ लुटाइए।।

आशा जाकड़

जबलपुर इकाई की काव्यगोष्ठी सम्पन्न

जबलपुर । शहर समता विचार जबलपुर इकाई की काव्यगोष्ठी नवरात्रि में मां दुर्गा की आराधना ऑनलाइन सफलतापूर्वक संपन्न जबलपुर इकाई की महिला काव्यगोष्ठी का शुभारंभ अध्यक्षता कर रही रचना सक्सेना राष्ट्रीय अध्यक्ष , मुख्य छाया त्रिवेदी विशिष्ट अतिथि डा. राजलक्ष्मी शिवहरे, सारस्वत अतिथि कृष्णा राजपूत। सभी अतिथियों द्वारा दीप प्रज्वलन और सरस्वती की मूर्ति में माल्यार्पण द्वारा किया गया। सरस्वती वंदना की सुंदर प्रस्तुति मंजूषा किंजवडेकर द्वारा की गयी। काव्य गोष्ठी का संयोजन उमा मिश्रा प्रीति एवं कुशल संचालन अनीता दुबे ने किया। अतिथियों का स्वागत राजकुमारी रैकवार रचना सक्सेना, सिद्धेश्वरी सराफ द्वारा। काव्य गोष्ठी में सभी बहनों ने अपनी सुंदर रचनाओं की प्रस्तुति द्वारा आयोजन में चार चांद लगा दियें। डा. मुकुल तिवारी, चंद्र प्रकाश वैश्य, अंजलि तिवारी , शशिकला सेन, डा. कुमकुम शुक्ला, रश्मि पांडे , शैली सेठ, मंजूषा किंजवडेकर, जयश्रीकांत, आशा श्रीवास्तव , प्रभा बच्चन श्रीवास्तव, अनुराध

ा गर्ग , आरती श्रीवास्तव। धन्यवाद ज्ञापन अर्चना द्विवेदी ने किया।

सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मेरा **मूल लाइसेंस NPB राइफल लाइसेंस संख्या 10548** थाना घूरपुर प्रयागराज की किताब वास्तव मे खो गया है।

मथुरा प्रसाद गुप्ता
पुत्र शत्रुघन प्रसाद गुप्ता,
निवासी चकसेमरा बोंगी थाना घूरपुर प्रयागराज,
मो. 9424314957, एल. सं. 10548

बेदखली सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मैं **निर्मला देवी** पत्नी रामसुमेर भारतीया निवासी 715 राजरूपपुर गयासुद्दीनपुर उपरहार थाना- धूमनगंज, प्रयागराज **अपने एकमात्र पुत्र राजेश कुमार को अपनी चल व अचल सम्पत्ति से बेदखल करती हूँ** और रजेश कुमार द्वारा किये गये किसी भी प्रकार के क्रिया कलाप एवं अनैतिक कार्य से शपथकर्ती एवं उसके पति का कोई वास्ता सरोकार नही होगा ।

निर्मला देवी, पत्नी - रामसुमेर भारतीया
निवासी - 715 राजरूपपुर गयासुद्दीनपुर उपरहार थाना- धूमनगंज, प्रयागराज

बेदखली सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि **आदिल अंसारी उर्फ मो0 शिबू के साले 1-फखरुद्दीन 2 मोइनउद्दीन 3-फरीदउद्दीन शब्बू पुत्रगण स्व0 मोईज अहमद व सालियाँ 4-शहनाज पत्नी स्व0 सलमान 5-आयशा परवीन पत्नी मो0 कैफुल 6- नजमा परवीन पुत्री स्व0 मोईज अहमद** निवासीगण इस्माइल के मकान में किरायेदार मुजफ्फर बालू वाले अल्लाह मस्जिद के पास मोहल्ला कसारी मसारी थाना धूमनगंज प्रायगराज का चाल चलन व बात व्यवहार ठीक न होने के कारण **शपथकर्ता व उसकी पत्नी रूबी अंसारी व दोनों पुत्रों ने अपना हर प्रकार का सम्बन्ध व सरोकार समाप्त कर लिया है** अब शपथकर्ता व उसके परिवार के उपरोक्त सदस्यों का उपरोक्त लोगो से किसी प्रकार का कोई वास्ता, सम्बन्ध व सरोकार नहीं रह गया है। यदि ये लोग कोई लेन-देन करते हैं उसकी संपूर्ण ज़िम्मेदारी उपरोक्त लोगो की होगी। मेरी पत्नी व बच्चों से वास्ता या सरोकार नहीं होगा।

आदिल अंसारी उर्फ मो0 शिबू, पुत्र गुलाम मोहम्मद
निवासी ई0डब्लू0एस0 118 कसारी मसारी चकिया थाना धूमनगंज, सदर, प्रयागराज ।

सम्पादकीय.....

इजरायल-हमास युद्ध का एक साल

7 अक्टूबर, 2023 को ठीक एक साल पहले हमास ने इजरायल पर और जवाब में इजरायल ने फिलीस्तीन के गजा पर बमबारी कर उस युद्ध की शुरुआत की थी जो अब तक न केवल जारी है बल्कि और भयावह शक्ल ले चुका है। इजरायली सेना द्वारा गजा के उन अस्पतालों को निशाना बनाया गया था जिनमें बच्चे आए तो थे इलाज कराने पर जान गंवा बैठे थे। उस आक्रमण को एक तरह से नरसंहार ही बतलाया गया था लेकिन उस वक्त भी पूरा पश्चिम जगत इजरायल के साथ था। जो मुल्क फिलीस्तीन के साथ थे, उनकी आवाज इतनी कमजोर थी कि वह ताकतवार पश्चिमी देशों द्वारा दबा दी गयी थी। एक ओर तो इजरायल साल भर में उसके द्वारा मारे गये हमास के लड़ाकों की संख्या जारी कर रहा है तो वहीं दूसरी ओर इस लड़ाई में फिलहाल ईरान का तथा कुछ अरसा पूर्व लेबनान का शामिल होना बतलाता है कि स्थिति एक तरह से बेहद विस्फोटक है। कई सामरिक विशेषज्ञ तो इसे तीसरे महायुद्ध की बाकायदा शुरुआत के रूप में ही देख रहे हैं। अरब–इजरायल लड़ाई जिस मोड़ पर खड़ी है वहां विश्व बिरादरी द्वारा शांति प्रयासों के गम्भीर प्रयासों की जरूरत है, न कि इसे हथियार बेचने का अवसर समझने की। बहरहाल, इजरायल ने बताया है कि उसने इस एक साल के दौरान गजा में हमास के 17 हजार लड़ाकों को मार गिराया है। एक हजार को तो इजरायल के भीतर ही मौत के घाट उतारा गया। आईडीएफ कही जाने वाली इजरायली सेना ने गजा पट्टी, वेस्ट बैंक तथा लेबनान पर दागे गये रॉकेटों की संख्या भी सूचित की है। इजरायली सेना का दावा है कि उसने गजा में 40300 ठिकानों पर हमले किये। 4700 बंकरों को उसके द्वारा नष्ट किया गया। हमास के 8 बटालियन कमांडरों को मौत के घाट उतारा गया। 165 कंपनी कमांडर या उसके समकक्ष मारे गये सो अलग। 800 से ज्यादा उन आतंकवादियों को मार गिराने का दावा आईडीएफ ने किया है जो ज्यादातर ईरान समर्थक संगठनों से सम्बद्ध थे। रिपोर्ट में इजरायल के 728 सैनिकों के मारे जाने तथा 4576 सैनिकों के जख्मी होने को स्वीकारा गया है। इस युद्ध का विस्तार भी होता चला गया है। हमास के अलावा हिजबुल्लाह और हूती जैसे संगठन भी शामिल हो गये हैं। हिजबुल्लाह के खिलाफ चलाये गये अभियानों में इजरायल ने लेबनान पर भी आक्रमण किये हैं। उसके अनुसार हिजबुल्लाह के लड़ाके ईरान में छिपे हुए हैं इसलिये उनके ठिकानों पर भी बमबारी की गयी है। विशेषकर उसके बेरूत स्थित खुफिया मुख्यालय पर हमले किये गये। दूसरी तरफ हिजबुल्लाह का भी दावा है कि उसने इजरायल के हाइफा शहर के दक्षिण में स्थित सैन्य ठिकाने पर बमबारी की जिसमें 10 इजरायली मारे गये। लड़ाई के एक साल पूरा होने पर इजरायल ने गजा पट्टी में विस्थापितों को आश्रय देने वाली एक मस्जिद तथा स्कूल पर हवाई हमला किया जिसमें 25 से ज्यादा लोग मारे गये हैं। इस दिन को किसी जश्न की तरह मनाने के अंदाज में इजरायल द्वारा सैन्य प्रदर्शनी की गयी जिसमें वे हथियार, उपकरण, वाहन आदि प्रदर्शित किये गये जो लड़ाई में इस्तेमाल किये जा रहे हैं। इजरायल ने साफ किया है कि उसने जवाबी कार्रवाइयों कर 41 हजार से ज्यादा लोगों को एक साल में मारा जिनमें ज्यादातर आम नागरिक थे। उपरोक्त आंकड़े जारी करना तथा सैन्य प्रदर्शनी करने के अलावा इस मौके पर लोगों में जोश भरने के उद्देश्य से इजरायली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेत्यनाहू ने हमास को पूरी तरह से खत्म करने की कसम तो खाई ही, यह साफ किया कि कोई उसका साथ दे या न दे– यह संकल्प उनका देश पूर्ण करेगा। इजरायल ने पहले ही कह दिया था कि वह जल्दी ही ईरान पर भी बड़ा हमला करेगा। उल्लेखनीय है कि हाल ही में ईरान ने इजरायल पर लगभग 200 मिसाइलें दागी थीं। इसका बदला लेने की बात नेत्यनाहू ने दोहराई। इस लड़ाई की पहली सालगिरह पर जिस तरह से नये आक्रमणों तथा बदला लेने की बातें हो रही हैं उससे साफ है कि इसका हल फिलहाल किसी के पास नहीं है। है भी तो उसकी मंशा किसी की नहीं है। इस लड़ाई ने जहां पूरे गजा को मलबे में बदलकर रख दिया है, वहीं युद्ध का विस्तार पूरे मध्य पूर्व में होता भी दिख रहा है। इसके कारण वाणिज्यिक महत्व के लाल सागर और हिंद महासागर के समुद्री रास्ते भी खतरे से भर गये हैं। यह वो समुद्री मार्ग हैं जिनसे होकर कई महाद्वीपों का परस्पर कारोबार होता है। लाल सागर एवं अदन की खाड़ी में एक भारतीय व्यापारिक पोत पर हूती विद्रोहियों द्वारा गुजरात के पोरबंदर से 217 समुद्री मील की दूरी पर ड्रोन से हमला किया गया था। इसमें आग लग गई थी और इसे किसी तरह से भारतीय तट रक्षक बचाकर लाये थे। विश्व के कुल अंतरराष्ट्रीय व्यवसाय का 10 फीसदी इसी मार्ग से होता है– खासकर कच्चे तेल की आपूर्ति। इस युद्ध के एक साल होने पर इसे खत्म करने का संकल्प लेना होगा।

संकट में है, विश्व-शांति

रमाकांत नाथ

केंद्र को अब पारदर्शी चुनावी फंडिंग प्रणाली पर काम करना चाहिएसर्वोच्च न्यायालय को बधाई चुनावी बांड रद्द करने के आदेश से लोकतंत्र मजबूत हुआ

दुनिया में तीसरा विश्वयुद्ध शुरू हो चुका है। यह युद्ध क्या रूप लेगा, इसका अनुमान लगाना कठिन है। एक तरफ रूस और चीन जैसे देश हैं, तो दूसरी तरफ अमेरिका और यूरोपीय संघ के देश। दुनिया के राष्ट्र दो गुटों में बंटे हुए हैं और अपने–अपने हितों की ओर बढ़ रहे हैं। उनकी महत्वाकांक्षा प्रत्यक्ष–अप्रत्यक्ष रूप से दुनिया को परेशान कर रही है। दुनिया में आम लोगों के दमन ने शोषण को बढ़ा दिया है। अन्याय ने अत्याचार को जन्म दिया है। अशांति, भय, आतंक और आशंका के माहौल के कारण विश्व–शांति दूर की कौड़ी लगती है। दुनिया में स्थायी शांति स्थापित करने के लिए बने श्संयुक्त राष्ट्र संघश (यूएनओ) ने ऐसा कुछ नहीं किया है और दुनिया की प्रमुख शक्तियों ने उससे ऐसा कुछ नहीं करवाया है। दुनिया में अशांति का कारण क्या है, हम बार–बार युद्ध क्यों झेल रहे हैं, राष्ट्रों के बीच संघर्ष क्यों हैं? निकी वॉकर की किताब श्हम क्यों लड़ते हैं? संघर्ष, युद्ध और शांतिश तथा स्टीव किलेलिया की पुस्तक श्अराजकता के युग में शांतिश ने हमें वर्तमान समस्याओं को हल करने के तरीके खोजने तथा विश्व में सतत विकास प्रक्रिया का नेतृत्व करने के लिए प्रोत्साहित करते हुए कई बातें उजागर की हैं। जब रूस ने यूक्रेन पर आक्रमण किया था, तब यह माना गया था कि यह हफ्तेभर में समाप्त हो जाएगा, लेकिन ऐसा नहीं हुआ। रूसी आक्रमण से यूक्रेन की रक्षा के लिए अमेरिकी सहायता ने अप्रत्यक्ष रूप से हथियारों के बाजार को लाभ पहुंचाया है तथा पूरे यूरोप में युद्ध, पलायन, विस्थापन और शरणार्थी मुद्दों के माहौल ने बहुत उथल–पुथल मचा दी है। यह युद्ध अब रूस के साथ चीन और उत्तर अटलांटिक संधि संगठन (नाटो) के देशों के बीच युद्ध में बदल गया है, जो बहुत ही भयानक रूप लेने वाला है। दुनिया के अमीर और परमाणु शक्ति–संपन्न देशों के पास 10,000 से अधिक परमाणु हथियार हैं। उनमें से कुछ के ही उपयोग से मानव जीवन और मानव सभ्यता पूरी तरह से गायब हो जाएगी। यह जानते हुए भी तानाशाह लड़ते रहते हैं और परमाणु हथियारों के उपयोग की धमकी देते रहते हैं। मध्य–पूर्व में ईरान, तुर्की, जॉर्डन और लेबनान जैसे इस्लामी देश गाजा पट्टी और पश्चिमी तट पर इजरायल के हमले के कारण इजरायल के खिलाफ हैं। हमास–हूती–हिजबुल्लाह जैसे आतंकवादी संगठनों के खिलाफ इजरायल की कार्रवाई और अमेरिका द्वारा उसके समर्थन ने अप्रत्यक्ष रूप से मध्य–पूर्व में विनाश को जन्म दिया है। जब एक आतंकवादी संगठन तालिबान अफगानिस्तान जैसे देश को नियंत्रित कर शासन चला रहा है, तो यह असंभव नहीं है कि दुनिया के सभी आतंकवादी संगठन एकजुट होकर इस दुनिया से लोकतंत्र की मौत का कारण बनें। तानाशाहों, हिंसक आतंकवादियों के कारण आज दुनिया में शांति से रहना असंभव हो गया है।एकतरफावाद और आतंकवाद एक ही सिक्के के दो पहलू हैं। तानाशाहों और आतंकवादियों के पास कोई सिद्धांत या आदर्श नहीं होता। वे किसी धर्म को भी नहीं मानते। इसके बजाय, वे अपनी राय दूसरों पर थोपते हैं। तानाशाहों और आतंकवादियों की ताकतों के पीछे कॉर्पोरेट हैं। वास्तव में कॉर्पोरेट ताकत ही दुनिया पर राज कर रही है और यही आज की अशांति का मुख्य कारण है।

कॉरपोरेट सत्ता आतंकवादी संगठनों के लिए हथियार बना रही है, कॉरपोरेट सत्ता ने तानाशाहों को विश्व व्यापार के लिए लालची बना दिया है, डॉलर से बांध दिया है और दुनिया की प्रमुख संस्थाओं ने अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष, विश्व व्यापार संगठन, विश्व बैंक आदि के माध्यम से कर्ज देकर तीसरी दुनिया को पूरी तरह से बांध लिया है। कॉरपोरेट सत्ता ने दुनिया के संसाधनों को हड़प लिया है और पूरी दुनिया में आतंक, अशांति, संघर्ष पैदा किया है जिसकी परिणति युद्ध में होती है। इस संबंध में डेविड कॉर्टन की एक बहुचर्चित पुस्तक है, श्व्हेन कॉरपोरेशन्स रूल द वर्ल्ड। कॉरपोरेट शासन किस तरह वैश्विक व्यवस्था को प्रभावित कर रहा है और विश्व शांति को नुकसान पहुंचा रहा है, यह विशेष रूप से उल्लेखनीय है। मध्य–पूर्व में कई वर्षों से चल रहे और हाल के युद्ध के पीछे अमेरिका अप्रत्यक्ष रूप से इजरायल का समर्थन कर रहा है। मौजूदा सरकार की इस्लाम विरोधी नीतियों के प्रचार और इस्लाम विरोधी कदमों के कारण भारत अब सभी इस्लामी देशों के साथ संघर्ष में उलझा हुआ है। इसी तरह, दक्षिण–एशिया में चीन के प्रभाव के कारण भारत अपने सभी पड़ोसी देशों के साथ अच्छे संबंध खो चुका है और संघर्ष में पड़ गया है। यह असंभव नहीं है कि ये सभी संघर्ष आगे चलकर युद्ध में बदल जाएं, जिससे दक्षिण–एशिया में एक और युद्ध हो। यह असंभव नहीं है कि ताइवान पर चीन का लालच, तिब्बत पर चीन का अधिकार और कोरियाई प्रायद्वीप पर दो कोरिया के बीच युद्ध, उत्तर–कोरिया को दक्षिण–कोरिया पर हमला करने के लिए मजबूर कर देगा। दुनिया के 7–8 ऐसे मैदानी युद्ध, कुछ देशों के गृह–युद्ध विश्व शांति को व्यापक रूप से भंग कर देंगे, यह तय है। दुनिया में दलीय व्यवस्थाएं, चाहे वे बहुदलीय हों, द्विदलीय हों या एकदलीय हों, सभी भ्रष्टाचार, व्यभिचार, झूठ और अंततरू मनमानी को बढ़ावा देती हैं। दलीय व्यवस्था व्यक्तिगत शासन में बदल गई है। एक व्यक्ति अपनी इच्छानुसार कुछ चापलूसों, चाटुकारों को लेकर शासन का जाल फैलाता है और आम लोग उस जाल में फंसते जाते हैं। यह व्यवस्था आज भी पूरी दुनिया में लागू है।

राहुल गांधी की अमेरिका में टिप्पणियां: सच या दुर्भावना

राम पुनियानी

अमेरिका की अपनी हालिया यात्रा के दौरान राहुल गांधी (आरजी) ने लोगों के साथ कई बार बातचीत की। ऐसी ही एक बैठक के दौरान उन्होंने दर्शकों के बीच बैठे एक सिक्ख से उसका नाम पूछा। वे भारतीय राजनीति के दो ध्रुवों की चर्चा कर रहे थे और भारत में संकीर्ण कट्टरपंथी राजनीति के ज्यादा प्रबल और आक्रामक होने की ओर बात कह रहे थे। उन्होंने उन सज्जन की ओर मुखातिब होते हुए कहा कि भारत में संघर्ष इस मुद्दे पर है कि उन्हें सिक्ख होने के नाते, पगड़ी पहनने दी जाएगी या नहीं, या कड़ा पहनने की इजाजत होगी या नहीं या वे एक सिक्ख के रूप में गुरूद्वारे जा पाएंगे या नहीं। लड़ाई इसी बात की है और यह मुद्दा सिर्फ उन तक सीमित नहीं है, बल्कि सभी धर्मों के लिए प्रासंगिक है। यह स्पष्ट है कि सिक्खों का उदाहरण दिया जाना केवल एक संयोग था और उनका इशारा भारत में अल्पसंख्यकों को आतंकित करने की व्यापक प्रवृत्ति की ओर था। भाजपा के कुछ सिक्ख और अन्य नेताओं ने आरजी पर हमला किया और हमेशा की तरह उन पर राष्ट्रविरोधी, विभाजक होने सहित कई अन्य आरोप लगाए। इन आलोचनाओं में सांस्कृतिक अधिकारों और समाज के भिन्न–भिन्न तबकों के भिन्न आचार–व्यवहार के मुद्दे की जानबूझकर उपेक्षा की गई। इस अवसर का उपयोग भाजपा ने एक बार फिर आरजी पर हमला करने के लिए किया. वे पहले भी भाजपा के निशाने पर रह चुके हैं। आरजी ने एक ट्वीट कर अपने सपनों के भारत की अवधारणा को स्पष्ट किया श्हमेशा की तरह भाजपा झूठ का सहारा ले रही है। वे मुझे चुप कराना चाहते हैं क्योंकि वे सच्चाई का सामना नहीं कर सकते। मैं हमेशा भारत को परिभाषित करने वाले मूल्यों के पक्ष में बोलता रहूंगा – अनेकता में एकता, समानता और आपसी प्रेम। आरजी की भावनाओं से बेखबर केबिनेट मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने इंडियन एक्सप्रेस में प्रकाशित एक लेख में लिखा कि सिक्खों को सिर्फ 1980 के दशक के दौरान समस्याओं का सामना करना पड़ा। उनका इशारा देश के कई हिस्सों, विशेषकर दिल्ली में हुए सिक्खों के नरसंहार की ओर था। उन्होंने आरजी के नजरिए को मोहम्मद अली जिन्ना जैसा बताया, जो देश का विभाजन करवाने पर तुले हुए थे। उन्होंने इस बारे में कुछ नहीं कहा कि भाजपा सरकार ने किसानों, जिनमें से बहुत से सिक्ख थे, की मांगों की कई महीनों तक पूरी तरह उपेक्षा की और उसके बाद ही किसान विरोधी कानूनों का वापिस लिया। उस दौरान हुए व्यापक विरोध में भाग लेने वाले सिक्खों को खालिस्तानी बताया गया था।

जहां तक 1984 के नरसंहार का सवाल है, उसके दोषियों को कभी माफ नहीं किया जा सकता। भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के मनमोहन सिंह, जो एक दशक तक प्रधानमंत्री रहे, ने इसके लिए क्षमाचायना की थी और हमारी अपेक्षा है कि हिंसा के दोषियों के विरूद्ध शीघ्रातिशीघ्र उचित कानूनी कार्रवाई की जाएगी। 1984 के अपराधियों को कई दशकों तक दंडित न किया जाना अत्यंत निंदनीय है। इस तथ्य की ओर ध्यान नहीं दिया जाता कि आरएसएस–भाजपा इस नरसंहार के दौरान सिक्खों के बचाव के लिए आगे नहीं आए बल्कि, इसके विपरीत, शमसुल इस्लाम, जो भारत में कट्टरपंथ के जोर पकड़ने के विषय के प्रमुख अध्येताओं में से एक हैं। दावा करते हैं कि आरएसएस ने भी इस भयावह नरसंहार में भागीदारी की। इस आपराधिक मिलीभगत का महत्वपूर्ण प्रमाण आरएसएस के एक प्रमुख विचारक स्वर्गीय नानाजी देशमुख द्वारा 8 नवंबर 1984 को जारी किया गया अंतरात्मा की खोज का समय शीर्षक वाला एक दस्तावेज है (जिसे जार्ज फर्नाडीज द्वारा संपादित हिंदी पत्रिका प्रतिपक्ष में प्रकाशित किया गया था). इससे उन कई अपराधियों के चेहरों पर से नकाब हटाने में मदद मिल सकती है जिन्होंने बेकसूर सिक्खों के कत्ल किए और उनके साथ दुष्कर्म किया, जिनका इंदिरा गांधी की हत्या से कोई लेना–देना नहीं था। इस दस्तावेज से इस बारे में भी जानकारी मिल सकती है कि वे स्वयंसेवक कहां से आए थे, जिन्होंने योजनाबद्ध ढंग से सिक्खों की हत्याएं कीं। नानाजी देशमुख इस दस्तावेज में 1984 में सिक्खों के नरसंहार तो सही ठहराते नजर आते हैं। आरजी की आलोचना से जुड़ा एक मुद्दा और है। कई सिक्ख समूह इसे सिक्ख पहचान को मान्यता देने के स्वागतयोग्य कदम की तरह देख रहे हैं। पूर्व आरएसएस प्रमुख के. सुदर्शन ने एक वक्तव्य में कहा था कि सिक्ख धर्म वास्तव में हिंदू धर्म का एक पंथ (सम्प्रदाय) है और खालसा की स्थापना हिंदुओं की इस्लाम से रक्षा करने के लिए की गई थी। 2019 में मोहन भागवत ने कहा था कि भारत एक हिंदू राष्ट्र है। इन दोनों वक्तव्यों के विरूद्ध कड़ी प्रतिक्रिया हुई थी। इन वक्तव्यों से आरएसएस की मानसिकता भी पता चलती है। हम जानते हैं कि सिक्ख मात्र एक पंथ नहीं है बल्कि एक धर्म हैय जिसकी स्थापना गुरू नानक देवजी ने की थी। उन्होंने कहा था न हम हिंदू न हम मुसलमान। पंजाब ट्रिब्यून और नवा जमाना जैसे प्रमुख पंजाबी समाचारपत्रों ने अपने संपादकीय में भागवत के वक्तव्य की कड़ी आलोचना की। वहीं शिरोमणि गुरूद्वारा प्रबधंक कमेटी (एसजीपीसी) और शिरोमणि अकाली दल (एसएडी), जो एनडीए का हिस्सा है, और भाजपा का सहयोगी दल रह चुका है, ने भी भागवत के वक्तव्य पर कड़ी प्रतिक्रिया की।

अकाल तख्त के कार्यवाहक जत्थेदार ज्ञानी हरप्रीत सिंह ने कहा कि उनका मानना है कि आरएसएस की इन हरकतों से देश में फूट पड़ेगी। श्आरएसएस नेताओं के वक्तव्य देश के हित में नहीं हैं,श उन्होंने लिखा। सिक्ख धर्म के हिंदू धर्म का हिस्सा होने के दावों का खंडन केहन सिंह की पुस्तक श्हम हिंदू नहींश में किया गया है। यदि हम सिक्खों की परंपराओं पर ध्यान दें, तो उनमें सांप्रदायिक मेलजोल नजर आता है। स्वर्ण मंदिर की नींव मियां मीर ने रखी थी। सिक्ख धर्म बाबा फरीद और अन्य सूफी संतों का सम्मान करता है और साथ ही भक्ति संतों जैसे कबीर और रैदास का भी। सिक्खों में गुरू का दर्जा रखने वाले गुरूग्रन्थ साहिब में सिक्ख गुरूओं की वाणी के साथ–साथ सूफी और भक्ति संतों को भी स्थान दिया गया है। उसका मुख्य विचार और लक्ष्य है मौलानाओं और ब्राह्मणवादी शिक्षाओं द्वारा लादी लिंग और जाति संबंधी गैरबराबरी को दूर करना। भारतीय उपमहाद्वीप में जन्मे धर्मो बौद्ध, जैन और सिक्ख सभी मानव जाति में बराबरी की वकालत करते हैं और एक तरह से जाति व लिंग संबंधी पदक्रम से दूरी बनाते हैं। कई सिक्ख नेता मात्र सत्ता की खातिर भाजपा में शामिल होने का प्रयास करते हैं, और उनका ध्यान सिक्खवाद के मानवीय मूल्यों और ब्राह्मणवादी रूढ़िवाद के बीच के विरोधाभास की ओर नहीं जाता। जैसा अम्बेडकर ने कहा कि ब्राह्मणवाद हिंदुत्व का सबसे महत्वपूर्ण हिस्सा है। इसी के चलते उन्होंने हिंदू धर्म छोड़कर बौद्ध धर्म स्वीकार किया। सिक्ख धर्म भारतीय इतिहास के तथाकथित मुस्लिम काल में फला–फूला। कई सिक्ख संगठनों की कड़ी प्रतिक्रिया के बाद अब आरएसएस सिक्ख धर्म को एक स्वतंत्र धर्म के रूप में स्वीकार करने लगा है। आरजी का वक्तव्य कहीं से भी विभाजनकारी नहीं है और भारतीय संविधान के मूल्यों का प्रतिनिधित्व करता है।

पत्रकारों की स्वतंत्रता को बल देती सुप्रीम कोर्ट की टिप्पणी

सुप्रीम कोर्ट ने एक महत्वपूर्ण टिप्पणी में शुक्रवार को कहा कि पत्रकारों के विरुद्ध सिर्फ इसलिए आपराधिक मामला नहीं दर्ज किया जाना चाहिए क्योंकि उनके लेखन को सरकार की आलोचना के रूप में देखा जाता है। जस्टिस ह्रषिकेश राय और जस्टिस एसवीएन भट्टी की पीठ ने कहा कि लोकतांत्रिक देश में विचार व्यक्त करने की आजादी का सम्मान किया जाना चाहिए और संविधान के अनुच्छेद–19(1)(ए) के तहत पत्रकारों के अधिकार सुरक्षित किए गए हैं। सही मायनों में सुप्रीम कोर्ट ने यह कहकर सत्ताधीशों को आईना ही दिखाया है कि सरकार की रीति–नीतियों व निर्णयों की आलोचना करना पत्रकारों का अधिकार है। यह टिप्पणी उन पत्रकारों के लिये जहां राहतकारी है, वही पत्रकारिता को अधिक निडर, निर्भीक एवं बेवाक तरीके से अपना धर्म को निभाने को प्रेरित करती है। असल में विभिन्न राज्यों में विभिन्न राजनीतिक दलों की सरकारों के खिलाफ मुखर आलोचनात्मक होने पर पत्रकार दमन का शिकार बने हैं। कई राज्यों में उनकी गिरफ्तारी भी हुई, मारपीट हुई और गंभीर धाराओं में गिरफ्तारी दिखायी गई। कई पत्रकारों के संदिग्ध परिस्थितियों का शिकार बनने की खबरें भी यदा–कदा आती रहती हैं। यहां तक कि कुछ पत्रकारों पर उन धाराओं में मुकदमे दर्ज किये जाते हैं, जो कि राष्ट्र विरोधी तत्वों के खिलाफ दर्ज होते हैं। हद तो तब हो जाती है जब मुकदमें गैरकानूनी गतिविधियां निवारण अधिनियम के तहत भी दर्ज होते हैं। ऐसे मामलों में पत्रकारों की जमानत कराना भी टेढ़ी खीर बन जाती है। निश्चित तौर पर ऐसे कदम पूर्वाग्रह एवं दुराग्रह से प्रेरित होकर ही उठाये जाते हैं। निश्चय ही उन निर्भीक पत्रकारों के लिये सुप्रीम कोर्ट की हालिया टिप्पणी सुकून देने वाली है, जो राजनीतिक दुराग्रह एवं पूर्वाग्रह के शिकार बने हैं।

भारत जैसे लोकतांत्रिक देश में प्रेस की स्वतंत्रता एक मौलिक जरूरत है। आज हम एक ऐसी दुनिया में जी रहे हैं, जहाँ अपनी दुनिया से बाहर निकल कर आसपास घटित होने वाली घटनाओं के बारे में जानने का अधिक वक्त हमारे पास नहीं होता। ऐसे में पत्रकार विभिन्न संकटों को झेलते हुए हमारे लिए एक खबर वाहक का काम करते हैं। पत्रकार केवल खबरे पहुंचाने का ही माध्यम नहीं है बल्कि यह नये युग के निर्माण और जन चेतना के उद्बोधन एवं शासन–प्रशासन के प्रति जागरूक करने का भी सशक्त माध्यम है। पत्रकार देश की राजनीति, सरकारों और उसके लिए आवश्यक सदाचार का माध्यम रही है। हिंसा, विपत्तियां और भ्रष्टाचार को लेकर भी अनेक पक्ष उसने समय–समय पर प्रस्तुत किये हैं। दरअसल, सुप्रीम कोर्ट ने यह टिप्पणी उत्तर प्रदेश में एक पत्रकार के विरुद्ध दर्ज मुकदमे की सुनवाई के दौरान की, उसने लोकतांत्रिक देश में विचार व्यक्त करने की आजादी का सम्मान किये जाने की बात कहकर पत्रकारों को अधिक प्रखर, निष्पक्ष एवं तीक्ष्ण होकर अपना धर्म निभाने का रास्ता साफ किया है। देखना है कि अदालत के इस फैसले का सरकारों एवं राजनीतिक दलों पर कितना असर होता है? अक्सर नेता, अधिकारी एवं मंत्री आलोचना बर्दाश्त न करके मीडियाकर्मियों के खिलाफ आक्रामक हो जाते हैं। अक्सर वे अपनी ताकत का इस्तेमाल करते हुए पत्रकारों को दबाने एवं अपनी शर्तों पर पत्रकारिता कराने को बाध्य करते हैं। लोकसभा चुनाव के बाद ऐसी ही आक्रामकता राहुल गांधी में देखने को मिली जब उन्होंने प्रेस वार्ता में एक महिला पत्रकार को बेहूदे तरीके से किसी पार्टी विशेष की पक्षधर होने का आरोप लगाया, इसी तरह अखिलेश यादव ने भी एक पत्रकार को भला–बूरा कहा। ये दृश्य समूचे देश ने देखें।

यह एक स्वस्थ, आदर्श एवं जागरूक लोकतंत्र राष्ट्र के लिये अच्छा है कि अदालतें समय–समय पर अभिव्यक्ति की आजादी को संबल प्रदान करते हुए निर्भीक एवं स्वतंत्र पत्रकारिता को बल देती रही है। लेकिन विडंबना है कि आजादी के सात दशक बाद भी हमारे राजनेता एवं सरकारें रह–रहकर पत्रकारों को डराने–धमकाने से बाज नहीं आते। हम देश में आम जनमानस को भी इतना जागरूक एवं सतर्क नहीं कर पाये कि वे अपने निष्पक्ष सूचना पाने के अधिकार के प्रति जागरूक हो सकें। यही वजह है कि सच्चाई से पर्दा उठाने की कोशिश में वह निर्भीक पत्रकार के बचाव में खड़े नजर नहीं आते। वे ध्यान नहीं रखते कि उनके हित से जुड़ा कुछ सच सत्ताधीश छुपाना चाहते हैं। गलत नीतियां एवं भ्रष्टाचार इसीलिये पनपता है। राजनेता सत्ता की सुविधा के लिये मनमाफिक प्रचार तो चाहते हैं, लेकिन अपने दागों, भ्रष्ट आचरण एवं गलत नीतियों से जुड़े सच को सात पर्दों में रखना चाहते हैं। निस्संदेह, सजग, सतर्क और निर्भीक पत्रकार एक सशक्त विपक्ष की भूमिका निभाकर सत्ताधीशों को राह ही दिखाता है। यही कारण है कि पत्रकारिता को लोकतंत्र का चौथा स्तंभ माना गया है। अकबर इलाहाबादी ने इसकी ताकत एवं महत्व को इन शब्दों में अभिव्यक्ति दी है कि 'न खींचो कमान, न तलवार निकालो, जब तोप हो मुकाबिल तब अखबार निकालो।' उन्होंने इन पंक्तियों के जरिए प्रेस को तोप और तलवार से भी शक्तिशाली बता कर इनके इस्तेमाल की बात कह गए हैं। अर्थात कलम को हथियार से भी ताकतवर बताया गया है। पर खबरनवीसों की कलम को तोड़ने, उन्हें कमजोर करने एवं अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता को निस्तेज करने के लिए बुरी एवं स्वार्थी ताकतें सत्ता, तलवार और तोप का इस्तेमाल कर रही हैं। लेकिन तलवार से भी धारदार कलम इसीलिये इतनी प्रभावी है कि इसकी वजह से बड़े–बड़े राजनेता, उद्योगपतियों और सितारों को अर्श से फर्श पर आना पड़ा। पत्रकार कई संकटों का सामना कर रहे हैं– संघर्ष और हिंसा, आतंक एवं अलगाव, युद्ध एवं राजनीतिक वर्चस्व, गरीबी एवं बेरोजगारी, लगातार सामाजिक–आर्थिक असमानताएँ, पर्यावरणीय संकट और लोगों के स्वास्थ्य और भलाई के लिए चुनौतियाँ आदि जटिलतर स्थितियों के बीच पत्रकार की महत्वपूर्ण भूमिका है। लोकतंत्र, कानून के शासन और मानवाधिकारों को आधार देने वाली संस्थाओं पर गंभीर प्रभाव के कारण ही यह भूमिका महत्वपूर्ण है। बावजूद इसके मीडिया की स्वतंत्रता, पत्रकारों की सुरक्षा और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता पर लगातार हमले हो रहे हैं। कभी–कभी भारत में प्रेस की स्वतंत्रता पर सख्त पहरे जैसा भी प्रतीत होता है, जो दुर्भाग्यपूर्ण है। जबकि बड़ी सचाई है कि इन्हीं पत्रकारों के बल पर हमें आजादी मिली है। देश में आजादी के बाद भी बड़े राजनेता मीडिया द्वारा किसी नीति या फैसले के खिलाफ की गई आलोचना को सहजता से लेते थे। हालांकि आलोचना का अर्थ हर समय निंदा करना नहीं होता। किसी भी मुद्दे के पक्ष और विपक्ष का तार्किक विश्लेषण करना होता है। पत्रकारिता यही करती है। वह लोकहित में सरकार को कदम उठाने का रास्ता सुझाती रहती है, इसीलिए उसकी विश्वसनीयता होती है। मगर सरकारें जब उसके मूल स्वभाव को ही बदलने का प्रयास करती हैं, तो उसकी विश्वसनीयता पर प्रहार करती हैं।

सोशल मीडिया पर ट्रोल्स के कॉमेंट्स पढ़ती ही नहीं, बेस्ट फ्रेंड करती है ये काम

मालविका मोहनन

सिद्धांत चतुर्वेदी के साथ फिल्म युध्रा में नजर आने वाली एक्ट्रेस मालविका मोहनन के बारे में लोग काफी कुछ जानना चाह रहे हैं। एक्ट्रेस साउथ इंडस्ट्री में भी काफी फेमस हैं। उनके बारे में कुछ खास बातें बताते हैं और उनसे बातचीत में जानिए बहुत कुछ।

इंटरव्यूरू सोशल मीडिया पर ट्रोल्स के कॉमेंट्स पढ़ती ही नहीं, बेस्ट फ्रेंड करती है ये काम– मालविका मोहनन

श्अब मैं करियर के उस दौर में हूं, जहां मुझे जिस डायरेक्टर के साथ काम करना है या फिर जिस प्रॉजेक्ट का हिस्सा बनना है, वो मैं कर पा रही हूंश

मुझे अपने लुक को लेकर ऐसी कोई इनसिक्योरिटी नहीं थी कि मैं कैसी लगूंगी? अच्छी लगूंगी या बुरी– मालविका

मालविका मोहनन वो पैन इंडिया स्टार हैं, जो दक्षिण और हिंदी दोनों ही इंडस्ट्रीज में एक्टिव हैं। बॉलिवुड में जाने–माने मशहूर निर्देशक माजिद मजीदी की फिल्म शबियॉन्ड द क्लाउड्सश में नजर आने वाली मालविका पिछले दिनों श्थंगलानश और श्युध्राश से चर्चा में रहीं। जाने–माने सिनेमैटोग्राफर की बेटी मालविका उच्च शिक्षा पाने की राह पर थी कि एक दिन पिता के सेट पर उन्हें साउथ के सुपरस्टार ममूटी की तरफ से रोल ऑफर हुआ और उनकी जिंदगी बदल गई। उनसे एक बातचीत।

माजिद मजीदी की फिल्म शबियॉन्ड द क्लाउड्सश में तारीफ पाने के बावजूद आप हिंदी फिल्मों में ज्यादा नजर नहीं आईं? आपने साउथ की तरफ रुख कर लिया।

–हमारी इंडस्ट्री का स्वभाव ऐसा है कि हम कोई पूर्व योजना बना कर अपना करियर आगे नहीं बढ़ा पाते। मेरे माता–पिता मलयाली हैं और मैं मुंबई में पली–बढ़ी हूं, तो मैंने मुंबई के साथ–साथ दूसरी फिल्मों को भी देखा है। मेरा ऐसा कुछ प्लान नहीं था कि मुझे किसी खास इंडस्ट्री में काम करना है। मेरी शुरुआत साउथ फिल्मों से हुई। मगर ऐसा नहीं है कि मेरे पास हिंदी से ऑफर नहीं आए। हिंदी फिल्मों के प्रस्ताव तो कई आए, मगर मैं भूमिकाओं के मामले में काफी सिलेक्टिव रही हूं। मुझे अगर किसी बड़े हीरो की फिल्म में रोल मिला, तो वो मैंने उस नाम मात्र के लिए नहीं अपनाया। मेरे लिए हमेशा किरदार अहम रहा। अगर मुझे कहानी पसंद आती है और लगता है कि मैं इस भूमिका का आनंद ले पाऊंगी, तभी मैं रोल के लिए हामी भरती हूं, वरना मैं भूमिका को नहीं अपनाती। इस मामले में मैं चूजी ही रहना पसंद करती हूं। मगर अब मैं करियर के उस दौर में हूं, जहां मुझे जिस डायरेक्टर के साथ काम करना है या फिर जिस प्रॉजेक्ट का हिस्सा बनना है, वो मैं कर पा रही हूं। मुझे तेलुगू और हिंदी से भी ऑफर आ रहे हैं। मैं प्रभास के साथ अपना तेलुगू डेब्यू करने जा रही हूं। तेलुगू से मेरे पास कई फिल्मों के प्रस्ताव आए थे, मगर मैं यहां धमाकेदार एंट्री करना चाहती थी। अब मैं खुश हूं कि मुझे इंतजार का फल मीठा मिला। तमिल से मुझे अच्छी भूमिकाएं मिल रही हैं। हिंदी में भी मेरी फिल्म युध्रा हाल ही में रिलीज हुई। मेरी फिल्म थंगलान को भी काफी तारीफ मिली, तो मैं खुश हूं।

आप आत्मनिर्भर और सक्षम हैं, मगर लड़कियों को लेकर आपको सबसे ज्यादा कौन–सी बात परेशान करती है?

–मुझे पावर डायनामिक्स बहुत परेशान करते हैं। कई बार उसे हैंडल करना थोड़ा मुश्किल हो जाता है। आप अगर अपने आस–पास ज्यादा फ्रेंडली होते हैं, तो उसका अर्थ कुछ और लगाया जाता है, मगर यदि आप थोड़े रिजर्व होते हैं, तो आपको एटिट्यूड वाला समझा जाता है। ऐसे समय में एक लड़की होने के नाते संतुलन बनाना थोड़ा ट्रिकी हो जाता है। देखिए हमारे आस –पास लोग भले और दयालु होते हैं, मगर कई बार आपको वो समानता का अहसास नहीं कराया जाता। लड़कियों के साथ असमानता का बर्ताव हर जगह होता है। लड़कियों को जिस असामनता या प्रताड़ना से गुजरना पड़ता है, उसे देख–सुनकर बेबसी महसूस होती है। लड़कियों को अगर इक्विअलिटी का अहसास करना है, तो उसे जमीनी स्तर पर जाकर ही करना होगा। लोगों की सोच में बदलाव लाना होगा।

आप सोशल मीडिया पर काफी फेमस हैं, मगर कई बार ट्रोल्स पीछे पड़ जाते हैं, उन्हें कैसे हैंडल करती हैं?

–हमारे जमाने में सोशल मीडिया एक पोर्टफोलियो की तरह बन गया है। आप यदि नए हैं और अपनी जमीन तलाश रहे हैं, तो सोशल मीडिया आपके लिए एक ऐसा माध्यम है, जहां आप लोगों को दिखा सकते हैं कि मैं ऐसी भी लग सकती हूं या फिर मैं ये भी कर सकती हूं। मेरे लुक्स की विविधता ऐसी है। अगर कोई नृत्य में माहिर है, तो वो सोशल मीडिया पर अपने डांस का विडियो डाल कर अपनी प्रतिभा को दर्शा सकता है। लोग स्टंट और जिम्नास्टिक वीडियो पोस्ट करते हैं। अगर आप उसे अपने काम या प्रतिभा को दर्शाने का माध्यम बनाएंगे, तो बहुत बेहतरीन होगा, मगर हां हर चीज के अपने फायदे और नुकसान दोनों होते हैं, तो इसका सबसे बड़ा नुकसान ट्रोलिंग ही होती है। मैं ट्रोल्स को इग्नोर करती हूं। मैं कॉमेंट्स पढ़ती ही नहीं हूं। मेरी बेस्ट फ्रेंड को कॉमेंट पढ़ने में बहुत मजा आता है, तो वो मेरे पोस्ट के जो सबसे फनी कॉमेंट्स होते हैं, उन्हें हम दोस्तों के ग्रुप में शेयर करके खूब हंसती है, मगर मैं ट्रोल्स पर ज्यादा ध्यान नहीं देती।

थंगलान में आपका लुक काफी अलग था। एक हीरोइन होने के नाते आपके लिए लुक कितना मायने रखता है?

–मुझे अपने लुक को लेकर ऐसी कोई इनसिक्योरिटी नहीं थी कि मैं कैसी लगूंगी? अच्छी लगूंगी या बुरी। मैं कई फिल्में कर रही हूं और हर फिल्म में मेरा अलग लुक है। मैं ऐसी फिल्म भी कर रही हूं, जहां मेरा टिपिकल ग्लैमरस लुक है। लेकिन मुझे ऐसे एक प्रोजेक्ट की खोज थी, जहां मैं खुद को एक परफॉर्मर के रूप में पेश कर सकूं। आज के दौर में लंबे समय तक अपने करियर को बनाए रखने के लिए हम सिर्फ लुक्स पर निर्भर नहीं कर सकते। मेरी जो भी पसंदीदा अभिनेत्री रही हैं, चाहे वो श्रीदेवी हों या माधुरी दीक्षित, आज उन्हें सिर्फ उनके लुक्स के लिए नहीं बल्कि उनकी परफॉर्मेंस के लिए जाना जाता है। मैं ऐसी भूमिकाएं करने की इच्छुक हूं, जो दर्शकों के दिल में बस जाए।जब मुझे थंगलान की भूमिका का ऑफर मिला, तो मेरे मन डर जरा भी नहीं था कि मैं पर्दे पर कैसी लगूंगी। मैं तो रोल में अपना दम दिखाना चाह रही थी। किरदार को विश्वनीयता से निभाना मेरे लिए बहुत जरूरी था। मैं कह सकती हूं कि एक भी दिन आसान नहीं था। सुबह तीन बजे उठना पड़ता था।

मस्ती के मूड में पलक तिवारी ने शेयर कीं वेकेशन फोटोज, फैंस बोले – क्यूटेस्ट एंजेल

पलक तिवारी को अक्सर वेकेशन एंजॉय करते हुए देखा जाता है और इसी बीच वो एक बार फिर घूमने–फिरने...

निक्की तंबोली ने बिकिनी में लगाया हॉटनेस का तड़का, देखें सिजलिंग लुक

निक्की तंबोली ब्लू एंड ब्लैक प्रिंट वाली बिकिनी में हॉटनेस का तड़का लगाती नजर आ रहीं हैं, जिन पर फैंस का जबरदस्त रिस्पॉन्स देखने को मिल...

बॉडीकॉन गाउन में अवनीत कौर ने बिखेरा हुस्न का जलवा, देखें स्टनिंग लुक

एक इवेंट में पहुंची अवनीत कौर ने जमकर हुस्न की बिजलियां गिराईं, इस दौरान अवनीत कौर बेहद स्टाइलिश और गॉर्जियस लग...

अर्चना पूरन सिंह एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री के सबसे पॉपुलर चेहरों में से एक हैं. उन्होंने तमाम फिल्मों में काम किया है और 2019 से वह 'द कपिल शर्मा शो' में बतौर जज नजर आ रही हैं और सभी का दिल जीत रही हैं. अर्चना के ठहाके कपिल शर्मा के कॉमेडी शो का एक और मेन अट्रैक्शन है और बार–बार, अभिनेत्री ने इसके बारे में खुलकर बात की है. एक बार फिर, अर्चना ने खुलासा किया कि उन्हें अपनी लाइफ में किसी खास को खोने के बाद भी शो में हंसना पड़ा था. सास के निधन के बाद सेट पर हंसना पड़ा था अर्चना पूरन सिंह ने हाल ही में इंस्टेंट बॉलीवुड को दिए एक इंटरव्यू में कपिल शर्मा शो में अपनी भूमिका के बारे में बात की. एक्ट्रेस ने बताया कि एक बार जब वह एक एपिसोड की शूटिंग कर रही थीं तो उन्हें अपनी सास की मौत की खबर मिली. अर्चना ने बताया कि उन्होंने मेकर्स से कहा था कि वह घर जाना चाहती हैं. अर्चना ने रोंगटे खड़े हो जाने वाला किस्सा बयां करते हुए बताया कि एपिसोड पूरा भी नहीं हुआ था और इसलिए मेकर्स ने उनसे कुछ हंसी के शॉट्स देने के लिए कहा ताकि वे इसे एपिसोड में जहां भी जरूरत हो, अटैच कर सकें. अर्चना पूरन सिंह ने शेयर किया कि वह सिर्फ शॉट्स के लिए बैठी थीं, और उन्हें दे दिया, जबकि वह अपने दिमाग में सोच रही थीं कि उनके घर में क्या चल रहा होगा. जब होस्ट ने पूछा कि वह उस सिचुएशन में कैसे हंसीं, तो अर्चना ने बताया कि इंडस्ट्री में 30–40 साल रहने के बाद, किसी को यह समझने की जरूरत है कि कोई अपना काम बीच में नहीं छोड़ सकता। क्योंकि निर्माता ने भी प्रोजेक्ट में इनवेस्ट किया है. पति ने कैसे किया था रिएक्ट अर्चना पूरन सिंह ने कहा कि उनके पति परमीत सेठी भी स्थिति को समझते थे, हालांकि, उन्हें भी समझने में15 मिनट का समय लगा था. अर्चना ने कहा कि वह बिल्कुल ब्लैंक थी और उसके दिमाग में सिर्फ शॉट्स और उनकी सास की मौत की खबरें चल रही थीं।

एक्ट्रेस तृप्ति डिमरी ने हाल ही में एक इंटरव्यू के दौरान अपने को–एक्टर विक्की कौशल और राजकुमार राव के बारे में बात की। एक्ट्रेस ने बताया कि शूटिंग के दौरान को–एक्टर की परफॉर्मेंस देखकर घबराहट और परेशानी महसूस होती है। इस वजह से फिल्म की शूटिंग के दौरान विक्की कौशल से तीन दिन तक बात नहीं कर पाई थीं। एक्ट्रेस ने राजकुमार राव को भी लेकर कुछ खुलासे किए हैं। एक्ट्रेस विक्की कौशल के साथ फिल्म 'बैड न्यूज' में काम कर चुकी हैं। राजकुमार राव के साथ उनकी फिल्म शविक्की विद्या का वो वाला वीडियोश रिलीज होने वाली है। विक्की कौशल के साथ काम करने के अपने अनुभव को शेयर करते हुए तृप्ति डिमरी ने कहा– बैड न्यूज की शूटिंग के दौरान कुछ घबराहट और परेशानी महसूस कर रही थी। तीन दिनों तक विक्की कौशल से बात नहीं कर पाई थी। क्योंकि उनकी परफॉर्मेंस देखकर घबरा गई थी। फिल्म शविक्की विद्या का वो वाला वीडियोश में तृप्ति डिमरी एक्टर राजकुमार राव के साथ स्क्रीन शेयर कर रही हैं। इंटरव्यू के दौरान तृप्ति डिमरी ने इस फिल्म से भी जुड़ा एक किस्सा शेयर किया। एक्ट्रेस ने कहा– यह पूरी तरह से कॉमेडी फिल्म है, मैंने देखा कि राजकुमार राव बड़ी आसानी से खुद को किरदार में डाल लेते हैं। वह एक बार में दो पेज का मोनोलॉग खत्म कर सकते हैं। वर्कफ्रंट की बात करें तो शविक्की विद्या का वो वाला वीडियो' के अलावा तृप्ति डिमरी श्भूल भुलैया 3, धड़क 2 में नजर आएंगी। इसके अलावा उन्होंने विशाल भारद्वाज की फिल्म साइन की है जिसमें शाहिद कपूर के साथ नजर आएंगी। संदीप रेड्डी वांगा की फिल्म 'एनिमल पार्क' में भी उनका खास किरदार बताया जा रहा है। दांतों की सेहत बताती है, आपकी बीमारियों का राज!

इस वजह से बच्चों को होती है पेशाब आने में दिक्कत, पैरेन्टस अजमाएं ये नुस्खा

बच्चों के अच्छे स्वास्थ्य के लिए उन्हें खास देखभाल की जरुरत होती है क्योंकि उन्हें कुछ न कुछ समस्याएं होने लगती है। कभी बच्चों को ज्यादा पेशाब आने लगता है तो कभी उन्हें पेशाब आने में दिक्कत होती है। छोटे होने के कारण बच्चे परेशानी बता भी नहीं पाते लेकिन उनके शरीर में ऐसे कई संकेत दिखते हैं जिससे आप परेशानी को समझ सकते हैं। जैसे बच्चे ज्यादा पेशाब आने के कारण परेशान होते हैं वैसे ही वह कम पेशाब आने के कारण भी परेशान हो सकते हैं। तो चलिए आपको बताते हैं कि बच्चों को पेशाब न आने के कारण क्या है और आप उनकी यह समस्या कैसे दूर कर सकते हैं.....

क्यों नहीं आता बच्चों को पेशाब?

पानी की कमी के कारण

बच्चे के शरीर में पानी की कमी के कारण भी उन्हें पेशाब आने में परेशानी हो सकती है। बच्चों को उल्टी, दस्त या किसी अन्य रोग में पानी की कमी होने पर भी यह समस्या उन्हें हो सकती है।

यूरिनेरी ट्रैक्ट में परेशानी होने के कारण

बच्चे के मूत्र मार्ग में रुकावट तब होती है जब उसकी किडनी से पेशाब बाहर नहीं आता। यह समस्या बच्चे की एक या फिर दोनों किडनियों को प्रभावित कर सकती है। इस समस्या में बच्चे को पेशाब न आने या फिर पेशाब बाहर आने में भी समस्या हो सकती है।

दवाई लेने के कारण

कई मालमों में यदि बच्चे पहले से ही दवाई ले रहे हो तो उसके प्रभावों के कारण भी बच्चों को पेशाब आने में परेशानी हो सकती है। हाई ब्लड प्रेशर की दवाई, ड्यूरेटिक्स और एंटीइंफ्लेमेट्री दवाई के कारण उन्हें यह परेशानी हो सकती हैं।

हींग करें इस्तेमाल

बच्चों को पेशाब न आने पर आप कुछ घरेलू नुस्खे भी अपना सकते हैं। बच्चा दो साल से ज्यादा है और उसको ये परेशानी हो रही है तो इस स्थिति में आप उसकी नाभी पर भिगी हुई हींग को रुई की मदद के कुछ देर के लिए रख दें। ध्यान दें कि हींग का ज्यादा इस्तेमाल न करें क्योंकि इससे भी कई तरह के नुकसान होते हैं थोड़ी सी हींग को रुई में लगाएं। इस

ब्रेकअप के बाद जिंदगी में छा गई है उदासी ? बुरे दौर में खुद को ऐसे दें सहारा

रिश्ता टूटने का दौर बुरा होता है। इस दौरान उदास, दुखी और खुद को खोया हुआ महसूस करना स्वाभाविक है। रिश्ता चाहे अच्छे मोड़ पर खत्म हुआ हो या फिर बुरे पर पल भर में इससे उबरना मुश्किल होता है। रिश्ते में रहने के दौरान आपका पार्टनर आपके डेली रूटीन का हिस्सा बन जाता है। ब्रेकअप के बाद इस रूटीन को बदलने में समय लगता है। इस दौरान आप पार्टनर की कमी महसूस करते हैं और ये खालीपन आपको उदास कर देता है। रिश्ते के टूट जाने को स्वीकार करना जरुरी है तभी आप आगे बढ़ सकते हैं। थेरेपिस्ट जॉर्डन ग्रीन कहते हैं कि ब्रेकअप सिर्फ एक अंत नहीं है, वे एक नई शुरुआत हैं। वे आपको उस सारे प्यार और ऊर्जा को पुनर्निर्देशित करने का एक अनूठा अवसर प्रदान करते हैं जो आप दूसरे व्यक्ति में डाल रहे थे, सभी के सबसे महत्वपूर्ण रिश्ते में वापस, वह रिश्ता जो आपके साथ है। अगर आपके लिए भी ब्रेकअप से उबरना मुश्किल हो रहा है तो परेशान होने की जरूरत नहीं है। आज हम कुछ ऐसी टिप्स लेकर आए हैं, जो इस बुरे दौर में खुद को सहारा देने के आपके काम आएगी।

दुख को बाहर निकलने दें– ब्रेकअप के बाद खुद को संभालना मुश्किल होता है। इस दौरान एक साथ कई तरह की भावनाएं आप पर हावी हो जाती है। इन भावनाओं को बाहर निकलने दें। रोने का मन कर रहा है तो खुद को रोकने की कोशिश न करें। खुद को हर तरह के दुख और दर्द को महसूस करने दें ताकि बाद में ये आपको कमजोर न कर सकें।

परिवार/दोस्तों की मदद लें– ब्रेकअप के बाद खुद को अकेले नहीं संभाल पा रहे हैं तो अपने करीबी लोगों की मदद लेने से पीछे न हटें। परिवार या दोस्त जिससे भी बात कर के आपके दिल को शांति मिलती है, उन सभी से बात करें। दोस्तों और परिवार वालों से बात करना आपके लिए एक थेरेपी की तरह काम करेगा और आपको ब्रेकअप के बुरे दौर से निकलने में आसानी होगी।

खुद पर ध्यान दें– ब्रेकअप के बाद आपका सारा समय आपका है। इसलिए इस समय को सिर्फ और सिर्फ खुद पर खर्च करें। आपको जो चीजें पसंद है वो करने पर ध्यान दें। बाहर जाएं, मूवी देखें, पार्क में घूमें, जो आपके दिल को खुशी दे वो काम करें। ये सब चीजें ब्रेकअप के दुख को कम करेंगी और आपको आगे बढ़ने का हौसला देगी।

बार-बार खट्टी डकार आने के कारण हो गए हैं परेशान तो अपनाएं ये घरेलू नुस्खे

बढ़ता तनाव और खराब लाइफस्टाइल कई तरह की स्वास्थ्य समस्याओं का कारण बन रहा है। ओवरइटिंग, ज्यादा मसालेदार खाना खाने, समय पर न खाने और ज्यादा टेंशन लेने से भी अक्सर लोगों को बदहजमी की शिकायत होने लगती है। इसके अलावा भोजन भी अच्छी तरह से पच न पाने के कारण भी लोगों को बदहजमी की शिकायत रहती है और खट्टी डकार आने लगते हैं जिसके कारण पूरा दिन खराब हो जाता है। ऐसे में आप कुछ घरेलू नुस्खे अपनाकर बदहजमी की समस्या से राहत पा सकते हैं। आइए जानते हैं इनके बारे में.....

मेथी

यदि आपको खट्टी डकार की समस्या रहती है तो आप मेथी का इस्तेमाल कर सकते हैं। इसके लिए मेथी को रात भर पानी में भिगोकर सुबह खाली पेट इसका पानी पीएं। इससे खट्टी डकार की समस्या से राहत मिलेगी। रोजाना इस नुस्खे का इस्तेमाल करने से आपको फर्क नजर आने लगेगा।

लौंग

इसका सेवन करने से भी पाचन तंत्र एकदम स्वस्थ रहता है। यदि आपको खट्टी डकार की समस्या रहती है तो आप लौंग का पानी या फिर लौंग का सेवन करें। इससे आपको फायदा मिलेगा।

इलायची

खट्टी डकार की समस्या में इलायची का सेवन भी आपके लिए फायदेमंद हो सकता है। इसका सेवन करने से गैस और खट्टी डकार जैसी समस्या में आराम मिलेगा।

हींग

बदहजमी से राहत पाने के लिए हींग भी बेहद फायदेमंद मानी जाती है। गैस या फिर खट्टी डकार में हींग का सेवन करने से आपको फायदा होगा। हींग को पानी में घोटकर पीएं। इससे पेट का भारीपन और खट्टी डकार की समस्या दूर होगी।

जीरा

जीरा भी पेट की समस्याओं के लिए किसी वरदान से कम नहीं है। खट्टी डकार, गैस या बदहजमी होने पर जीरे को भूनकर इसका सेवन करें। भूनकर इसके बाद इसे पीसकर पानी में डालकर पीने से भी बदहजमी की समस्या में राहत मिलेगी।

दिल्ली के आसपास मौजूद ये जगहें हैं बेहद खूबसूरत, इस वीकेंड जरूर बनाएं घूमने का प्लान

आज हम आपको दिल्ली से घूमी जाने वाली कुछ ऐसी जगहों के बारे में बताने जा रहे हैं। जिन्हें आप कम बजट में एक्सप्लोर कर सकते हैं। साथ ही यह ट्रिप बजट फ्रेंडली होने वाली है। आइए जानते हैं इन जगहों के बारे में।

दिमाग को शांत रखने के लिए घूमने से अच्छा और कोई ऑप्शन नहीं हो सकता है। क्योंकि ट्रेवलिंग सिर्फ 2 मिनट की हो, या फिर 2 घंटे की दूरी का। लेकिन यह अक्सर हमारे मन को खुशी देने का काम करती है। ऐसे में अगर आप भी बोरियत को खत्म करने के लिए कहीं घूमने का प्लान बना रहे हैं और साथ ही बजट फ्रेंडली ट्रिप पर जाना चाहते हैं, तो यह आर्टिकल आपके लिए है। आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको दिल्ली से घूमी जाने वाली कुछ ऐसी जगहों के बारे में बताने जा रहे हैं। जिन्हें आप कम बजट में एक्सप्लोर कर सकते हैं। आइए जानते हैं इन जगहों के बारे में...

दिल्ली से आगरा

आगरा शहर दुनिया की एक ऐसी जगह है, जहां पर न सिर्फ भारतीय बल्कि विदेशी पर्टयक भी भारी संख्या में पहुंचते हैं। आगरा में दुनिया के सात अजूबों में शामिल ताजमहल के दीदार के लिए यहां पर्यटकों की भारी भीड़ लगती है। ताजमहल को प्यार का प्रतीक माना जाता है। ऐसे में आप इस वीकेंड आगरा का ट्रिप प्लान कर सकते हैं। आपको बता दें कि दिल्ली से आगरा ट्रिप के लिए आपके पास 5 हजार रुपए खर्च होंगे। दिल्ली से आगरा की दूरी 233 किमी है।

दिल्ली से जिम कॉर्बेट

भारत के प्रसिद्ध राष्ट्रीय उद्यानों में शामिल जिम कॉर्बेट नेशनल पार्क वीकेंड गेटवे में से एक है। यहां पर आपको करीब 5 हजार से अधिक पक्षियों की प्रजातियां और स्तनधारियों की 50 प्रजातियों को देखने का मौका मिलेगा। इसके साथ ही अगर यहां पर खाने, रहने, ट्रांसपोर्ट, एंट्री चार्जेस आदि की बात करें, तो आपको दो दिन के लिए प्रति व्यक्ति पर 4000 रुपए खर्च करने पड़ेंगे। दिल्ली से जिम कॉर्बेट की दूरी 246 किमी है।

दिल्ली से उदयपुर

उदयपुर अपनी खूबसूरत झीलों, नजारों और आकर्षक संरचनाओं के लिए फेमस है। यहां पर आप जमकर खरीददारी भी कर सकते हैं। उदयपुर में सूर्यास्त का नजारा देखने लायक होता है। दिल्ली से उदयपुर की दूरी 633 किमी है। यहां पर आपको दो दिन के लिए प्रति व्यक्ति 5 हजार रुपए देने होंगे।

दिल्ली से मैक्लोडगंज

हिमाचल के कांगड़ा जिले में मैक्लोडगंज या लिटिल ल्हासा स्थित है। मैक्लोडगंज प्रकृति से घिरा होने के साथ ही तिब्बती रंग रूप से लदा हुआ है। बता दें कि यह दिल्ली के सबसे अच्छे वीकेंड गेटवे में से एक है। आपकी यह ट्रिप भी बजट फ्रेंडली होने वाली हैं। यहां पर आप तिब्बती कार्य पुस्तकालय, तिब्बती आर्ट कल्चर संस्थान, स्थानीय कैफे और मैक्लोडगंज का मठ में तिब्बती संस्कृति की झलक देख सकते हैं। दिल्ली से मैक्लोडगंज की दूरी 488 किमी है।

दिल्ली से ऋषिकेश

ऋषिकेश एक आध्यात्मिक और बेहद खूबसूरत शहर है। यहां पर लोग एडवेंचर का लुत्फ उठाते हैं। ऐसे में आप भी ऋषिकेष में कैंपिंग और राफ्टिंग से लेकर बंजी तक का आनंद ले सकते हैं। एडवेंचर और प्रकृति प्रेमियों के लिए यह जगह बेस्ट है। दिल्ली से ऋषिकेश तक जाने की दूरी 242 किमी है।

ऑस्ट्रेलिया ने न्यूजीलैंड को हराया

अब भारत के लिए राह हुई कठिन, जानें सेमीफाइनल में पहुंचने का समीकरण

शारजाह। भारत को न्यूजीलैंड से मिली करारी हार के बाद नेट रन रेट का नुकसान हुआ था। हालांकि, पाकिस्तान के खिलाफ जीत ने कुछ राहत दी। अब टीम इंडिया को यहां से दोनों मैच जीतने होंगे। गत चौंपियन ऑस्ट्रेलिया ने शारजाह में न्यूजीलैंड को हराकर महिला टी20 विश्व कप में अपने जीत के सिलसिले को बरकरार रखा। इस जीत से ग्रुप ए में सेमीफाइनल में पहुंचने का समीकरण दिलचस्प हो गया है। हर ग्रुप से केवल शीर्ष दो टीमों के पास ही सेमीफाइनल में प्रवेश करने का मौका है। मौजूदा समय में ग्रुप–ए में ऑस्ट्रेलिया दो मैचों में दो जीत के साथ अंक तालिका में शीर्ष पर है। पाकिस्तान दूसरे, जबकि न्यूजीलैंड तीसरे स्थान पर है। भारत चौथे और श्रीलंका पांचवें स्थान पर है। भारत ने अब तक न्यूजीलैंड से हार और पाकिस्तान के खिलाफ जीत हासिल की है। भारत को नेट रनरेट में सुधार करने के लिए बुधवार को श्रीलंका को बड़े अंतर से हराना होगा। हालांकि, यह इतना आसान नहीं होगा क्योंकि श्रीलंका ने हाल ही में भारत को महिला टी20 एशिया कप के फाइनल में शिकस्त दी थी। भारत के लिए सेमीफाइनल का रास्ता अब मुश्किल हो चला है। आइए जानते हैं... ऑस्ट्रेलिया की न्यूजीलैंड पर जीत के बाद कंगारू टीम चार अंक और 2.254 के नेट रन रेट के साथ शीर्ष पर बरकरार है। वहीं, पाकिस्तान के दो अंक हैं और उसका नेट रन रेट 0.555 है। न्यूजीलैंड की टीम दो मैचों में दो अंक और –0.050 नेट रन रेट के साथ तीसरे, भारतीय टीम दो मैचों में दो अंक और –1.217 के नेट रन रेट के साथ चौथे स्थान पर है। एशियाई चौंपियंस श्रीलंका की टीम दो मैचों में दो हार के साथ पांचवें स्थान पर है। भारत को न्यूजीलैंड से मिली करारी हार के बाद नेट रन रेट का

टीम	मैच	जीत	हार	अंक	नेट रन रेट
ऑस्ट्रेलिया	2	2	0	4	2.524
पाकिस्तान	2	1	1	2	0.555
न्यूजीलैंड	2	1	1	2	-0.05
भारत	2	1	1	2	-1.217
श्रीलंका	2	0	2	0	-1.667

नुकसान हुआ था। हालांकि, पाकिस्तान के खिलाफ जीत ने कुछ राहत दी। अब टीम इंडिया को यहां से दोनों मैच जीतने होंगे। उन्हें श्रीलंका को बड़े अंतर से हराने के बाद ऑस्ट्रेलिया को भी हराना होगा। इसके बाद भी अन्य टीमों के नतीजों पर निर्भर रहना होगा। श्रीलंका के खिलाफ छोटी जीत या फिर ऑस्ट्रेलिया से हार टीम इंडिया की राह और कठिन कर देगी। श्रीलंका के खिलाफ हार से भारत का सफर लगभग खत्म हो जाएगा। हालांकि, टीम पूरी तरह से बाहर नहीं होगी, क्योंकि ऑस्ट्रेलिया पर जीत से फिर रास्ता बन सकता है। ग्रुप–ए का मौजूदा हाल टीम मैच जीत हार अंक नेट रन रेट ऑस्ट्रेलिया 2 2 0 4 2.524 पाकिस्तान 2 1 1 2 0.555 न्यूजीलैंड 2 1 1 2 –0.050 भारत 2 1 1 2 –1.217 श्रीलंका 2 0 2 0 –1.667 ग्रुप–ए में टीमों के बाकी बचे मैच टीम अगला मैच ऑस्ट्रेलिया अे पाकिस्तान (11 अक्तूबर) अे भारत (13 अक्तूबर) पाकिस्तान अे ऑस्ट्रेलिया (11 अक्तूबर) अे न्यूजीलैंड (14 अक्तूबर) न्यूजीलैंड अे श्रीलंका (12 अक्तूबर)।

संक्षिप्त

हड़ताल कर रहे कर्मचारियों से बोइंग ने रोकी बातचीत, यूनियन को वेतन देने का प्रस्ताव हुआ वापस

बोइंग आमतौर पर अपने एयरक्राफ्ट के लिए जानी जाती है। बोइंग की अमेरिका में स्थित कर्मचारियों के साथ कंपनी का तालमेल ठीक नहीं चल रहा है। बोइंग ने मंगलवार को कहा कि उसने लगभग 33,000 अमेरिकी फैक्ट्री कर्मचारियों को दिए गए वेतन प्रस्ताव को वापस ले लिया है। उनके यूनियन प्रतिनिधियों के साथ आगे कोई बातचीत की योजना नहीं बनाई गई है, क्योंकि आर्थिक रूप से नुकसानदायक हड़ताल अपने चौथे सप्ताह में पहुंचने वाली है। बोइंग और यूनियन ने सोमवार और मंगलवार को संघीय मध्यस्थों के साथ वार्ता का नवीनतम दौर आयोजित किया, लेकिन वार्ता विफल हो गई और दोनों पक्ष कटु गतिरोध में फंस गए, जिसके निकट भविष्य में समाधान होने के कोई संकेत नहीं दिख रहे हैं, वार्ता के बारे में जानकारी रखने वाले एक व्यक्ति ने बताया है। बोइंग कमर्शियल एयरप्लेन्स की प्रमुख स्टेफनी पोप ने कर्मचारियों को लिखे एक नोट में कहा, दुर्भाग्यवश, यूनियन ने हमारे प्रस्तावों पर गंभीरता से विचार नहीं किया। उन्होंने यूनियन की मांगों को असंगत बताया। इस समय आगे बातचीत का कोई मतलब नहीं है और हमारा प्रस्ताव वापस ले लिया गया है। उन्होंने कहा कि बोइंग नकदी को संरक्षित करने के लिए कदम उठा रहा है। रॉयटर्स ने मंगलवार को पहले बताया था कि विमान निर्माता कंपनी स्टॉक और इक्विटी जैसी प्रतिभूतियों की बिक्री के माध्यम से अरबों डॉलर जुटाने के विकल्पों की जांच कर रही है, जबकि इसके सबसे ज्यादा बिकने वाले 737 मैक्स और 767 और 777 विमानों का उत्पादन करने वाले कारखाने बंद हैं। कंपनी, जो अपनी बहुमूल्य निवेश ग्रेड क्रेडिट रेटिंग खोने के कगार पर है, ने हजारों वेतनभोगी कर्मचारियों के लिए अस्थायी अवकाश की भी घोषणा की है। पश्चिमी तट के कारखाने के कर्मचारियों की हड़ताली यूनियन चार वर्षों में 40: वेतन वृद्धि और एक दशक पहले अनुबंध में समाप्त की गई परिभाषित–लाभ पेंशन की बहाली की मांग कर रही है। 90प्रतिशत से अधिक कर्मचारियों ने हड़ताल पर जाने से पहले चार वर्षों में 25प्रतिशत वेतन वृद्धि के प्रस्ताव को अस्वीकार कर दिया। बोइंग ने पिछले महीने एक बेहतर प्रस्ताव दिया था जिसे उसने अपना ष्सर्वश्रेष्ठ और अंतिमष बताया था, जिसके तहत कर्मचारियों को 30प्रतिशत वेतन वृद्धि और प्रदर्शन बोनस बहाल किया जाएगा, लेकिन यूनियन ने कहा कि उसके सदस्यों के सर्वेक्षण में पाया गया कि यह पर्याप्त नहीं है।

भारतीय जिम्नास्ट दीपा कर्माकर ने खेल से संन्यास का एलान किया

नई दिल्ली। भारत की स्टार जिम्नास्ट दीपा कर्माकर ने सोमवार को खेल से संन्यास

लेने की घोषणा कर दी। दीपा ने 2016 रियो ओलंपिक में प्रभावशाली प्रदर्शन किया था, लेकिन मामूली अंतर से कांस्य पदक से चूक गईं थी। ओलंपिक में शिरकत करने वाली भारत की पहली महिला जिम्नास्ट बनी 31 साल की दीपा रियो ओलंपिक की वॉल्ट स्पर्धा में चौथे स्थान पर रहीं थी और सिर्फ 0.15 अंक से कांस्य पदक जीतने से चूक गईं थी। दीपा ने एक बयान में कहा, बहुत सोच–विचार और चिंतन के बाद मैंने प्रतिस्पर्धी जिम्नास्टिक से संन्यास लेने का फैसला किया है। यह आसान फैसला नहीं है लेकिन मुझे लगता है कि यह सही समय है। जब से मुझे याद है तब से जिम्नास्टिक मेरे जीवन का केंद्र रहा है और मैं उतार–चढ़ाव और बीच के हर लम्हे के लिए आभारी हूं। उन्होंने लिखा, मुझे वो पांच साल की दीपा याद आती है जिसको बोला था कि उसके सपाट पैर की वजह से वो कभी जिम्नास्ट नहीं बन सकती। आज मुझे अपनी उपलब्धियों को देखकर गर्व होता है। भारत का विश्व स्तर पर प्रतिनिधित्व करना और पदक जीतना, सबसे विशेष रियो ओलंपिक में प्रोदुनोवा वॉल्ट का प्रदर्शन करना, मेरे करियर का सबसे यादगार पल रहा है। दीपा ने आगे लिखा, आज मुझे उस दीपा को देखकर बहुत खुशी होती है क्योंकि उसने सपने देखने की हिम्मत रखी। मेरी आखिरी जीत ताशकंद में एशियन जिम्नास्टिक्स चौंपियनशिप रही जो एक टर्निंग प्वाइंट था, क्योंकि तब तक मुझे लगा कि मैं अपने शरीर को और पुश कर सकती हूं। लेकिन कभी–कभी हमारा शरीर हमें बताता है कि अब आराम करने का समय आ गया है। लेकिन दिल अभी भी नहीं मानता। ओलंपियन दीपा ने कहा, मैं अपने कोच बिश्वेर नंदी सर और सोमा मैम को धन्यवाद बोलना चाहती हूं, जिन्होंने मुझे पिछले 25 साल से गाइड किया और मेरी सबसे बड़ी ताकत बने। मुझे जो समर्थन मिला उसके लिए त्रिपुरा सरकार, जिम्नास्टिक्स महासंघ, भारतीय खेल प्राधिकरण और अन्य लोगों को बहुत धन्यवाद देना चाहती हूं। अंत में मेरे परिवार को जो हमेशा मेरे साथ थे, मेरे अच्छे और बुरे दिनों में।

तेज गेंदबाज मयंक यादव को टेस्ट में आजमाने की जल्दबाजी नहीं करनी चाहिये– आर.पी. सिंह

मुंबई । बाएं हाथ के पूर्व तेज गेंदबाज आरपी सिंह का मानना है कि मयंक यादव को टेस्ट क्रिकेट में लाने की जल्दबाजी नहीं करनी चाहिए क्योंकि वह अपने करियर के शुरुआती दौर में है। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में अपनी गति से प्रभावित करने वाले मयंक ने ग्वालियर में बांग्लादेश के खिलाफ शुरुआती टी20 में भारत के लिए शानदार पदार्पण किया। मयंक ने अभी तक सिर्फ एक प्रथम श्रेणी मैच खेला है लेकिन उनकी विशेष प्रतिभा को देखते हुए उन्हें राष्ट्रीय टीम में शामिल कर लिया गया है। आरपी सिंह मयंक की गति और नियंत्रण से प्रभावित हैं लेकिन उन्हें लगता है कि ऐसे गेंदबाज के लिए ऑस्ट्रेलिया में पांच टेस्ट मैचों की श्रृंखला का हिस्सा बनना जल्दबाजी होगी। उन्होंने कहा, ''ऑस्ट्रेलिया दौरे के लिए आकाश दीप को तेज गेंदबाजी आक्रमण में होना चाहिए। उनकी गेंदबाजी करने का तरीका बेहतर लगता है। मयंक यादव के पास गति है, जो तेज गेंदबाजी का एक पहलू है।'' उन्होंने जियो सिनेमा द्वारा आयोजित बातचीत में कहा, ''ऐसी कई विविधताएं और कौशल हैं जो धीरे–धीरे विकसित होते हैं। मयंक अपने करियर के शुरुआती चरण में है। टेस्ट मैच में बहुत ज्यादा कार्यभार होता है। आपके धैर्य और कौशल की परीक्षा होती है।'' इस पूर्व वामहस्त गेंदबाज ने कहा, '' मयंक ने अभी उतनी घरेलू क्रिकेट नहीं खेली है जितनी आकाश दीप या मोहम्मद शमी ने (भारतीय टीम में शामिल होने से पहले) खेली थी। मयंक को अभी भी उस स्तर में आना बाकी है। आकाश दीप एक बेहतर विकल्प हैं।'

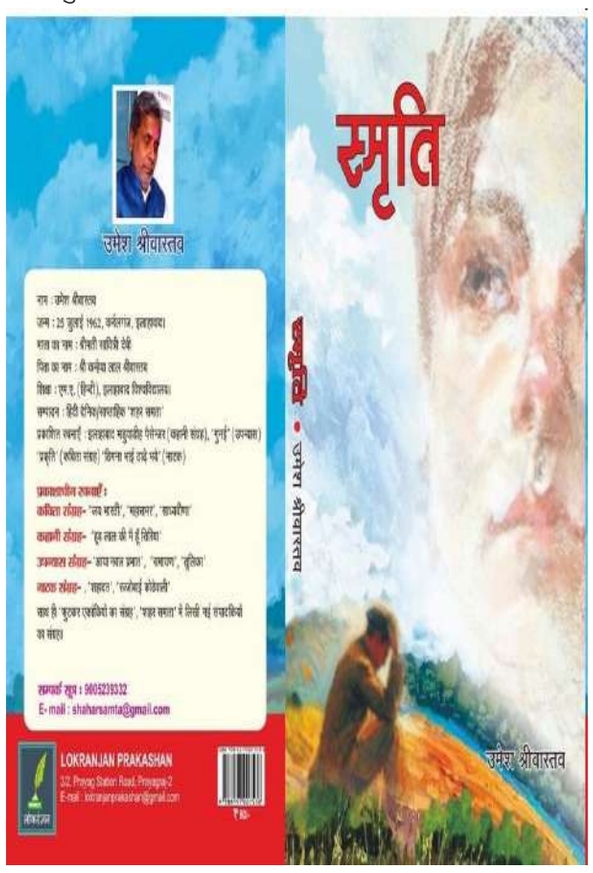

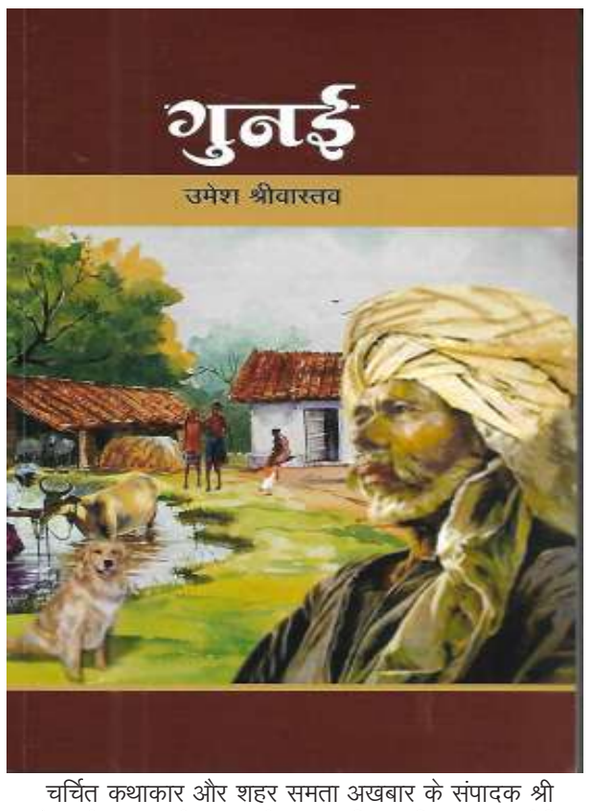

चर्चित कथाकार और शहर समता अखबार के संपादक श्री उमेश श्रीवास्तव जी का ग्रामीण पृष्ठभूमि पर लिखा बहु प्रतीक्षित उपन्यास गुनई अमेजन पर उपलब्ध हो गया है। पुस्तक

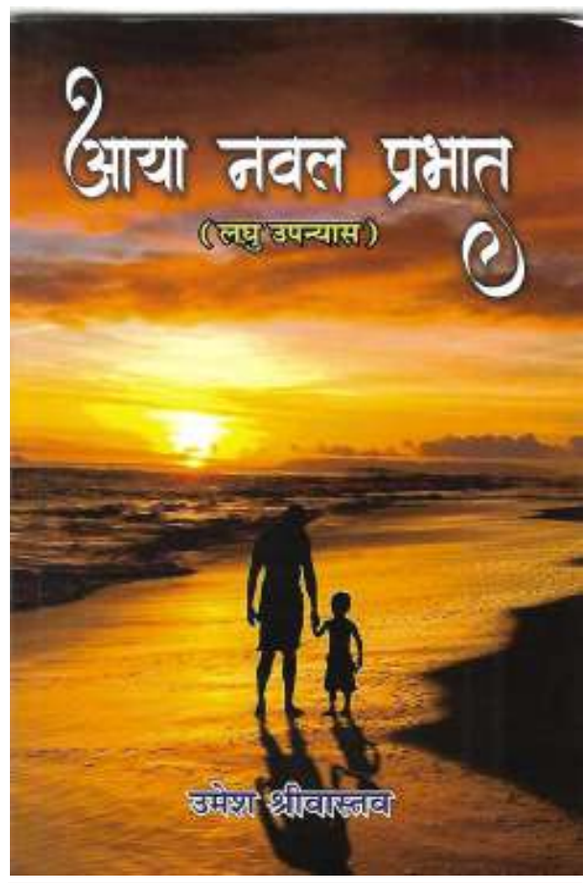

यूपीआई लाइट के जरिये एक बार में होगा 1,000 रुपये का भुगतान, वॉलेट सीमा होगी 5,000 रुपये

नयी दिल्ली । यूपीआई की बढ़ती लोकप्रियता तथा इसे और बढ़ावा देने के मकसद से भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने यूपीआई लाइट वॉलेट की सीमा 2,000 रुपये से बढ़ाकर 5,000 रुपये और प्रति लेन–देन सीमा बढ़ाकर 1,000 रुपये करने का प्रस्ताव किया है। आरबीआई गवर्नर शक्तिकान्त दास ने द्विमासिक मौद्रिक नीति समीक्षा पेश करते हुए बुधवार को कहा कि लगातार नवोन्मेष और स्वीकार्यता के साथ यूपीआई ने डिजिटल भुगतान को आसान और समावेशी बनाकर देश के वित्तीय परिदृश्य को बदल दिया है।'' उन्होंने कहा, '' इसके उपयोग को और प्रोत्साहित करने तथा और समावेशी बनाने को लेकर यूपीआई 123 भुगतान में प्रति लेनदेन सीमा 5,000 रुपये से बढ़ाकर 10,000 रुपये करने का प्रस्ताव किया गया है। साथ ही यूपीआई वॉलेट की सीमा 2,000 रुपये से बढ़ाकर 5,000 करने और प्रति लेन–देन की सीमा को 1,000 रुपये करने का निर्णय किया गया है।'' वर्तमान में यूपीआई लाइट वॉलेट की सीमा 2,000 रुपये और प्रति लेन–देन 500 रुपये है। आरबीआई के बयान के अनुसार, ऑफलाइन डिजिटल माध्यम से छोटे मूल्य के भुगतान की सुविध ाा के लिए यूपीआई लाइट से जुड़ी रिजर्व बैंक की रूपरेखा में उपयुक्त संशोधन किया जाएगा। इसके अलावा, 'यूपीआई 123 पे' की सुविधा अब 12 भाषाओं में उपलब्ध होगी। इसके साथ, एनईएफटी (नेशनल इलेक्ट्रॉनिक कोष अंतरण) और आरटीजीएस (रियल टाइम ग्रास सेटलमेंट सिस्टम) में कोष अंतरण को अंतिम रूप देने से पहले यूपीआई और आईएमपीएस (तत्काल भुगतान सेवा) की तरह खाताधारक के नाम के सत्यापन की सुविधा मिलेगी। वर्तमान में, यूपीआई और आईएमपीएस (तत्काल भुगतान सेवा) के तहत पैसा भेजने से पहले भेजने वाले को प्राप्तकर्ता (लाभार्थी) के नाम को सत्यापित करने की सुविधा मिलती है। दास ने कहा, ''अब आरटीजीएस और एनईएफटी के तहत राशि भेजने से लाभार्थी के नाम के सत्यापन की सुविधा मिलेगी।

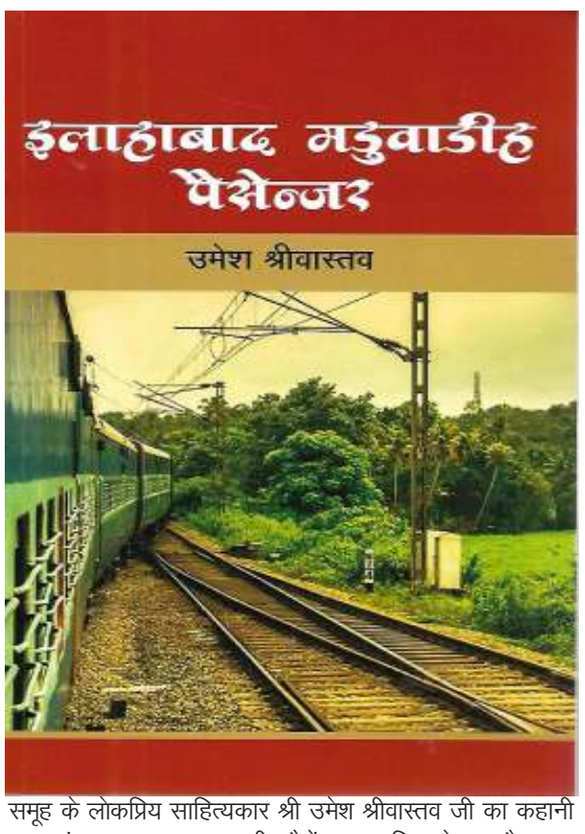

समूह के लोकप्रिय साहित्यकार श्री उमेश श्रीवास्तव जी का कहानी संग्रह इलाहाबाद मडुवाडीह पैसेंजर प्रकाशित हो गया है। उमेश श्रीवास्तव जी को बहुत बधाई एवम शुभकामना। पुस्तक अमेजन पर उपलब्ध है।

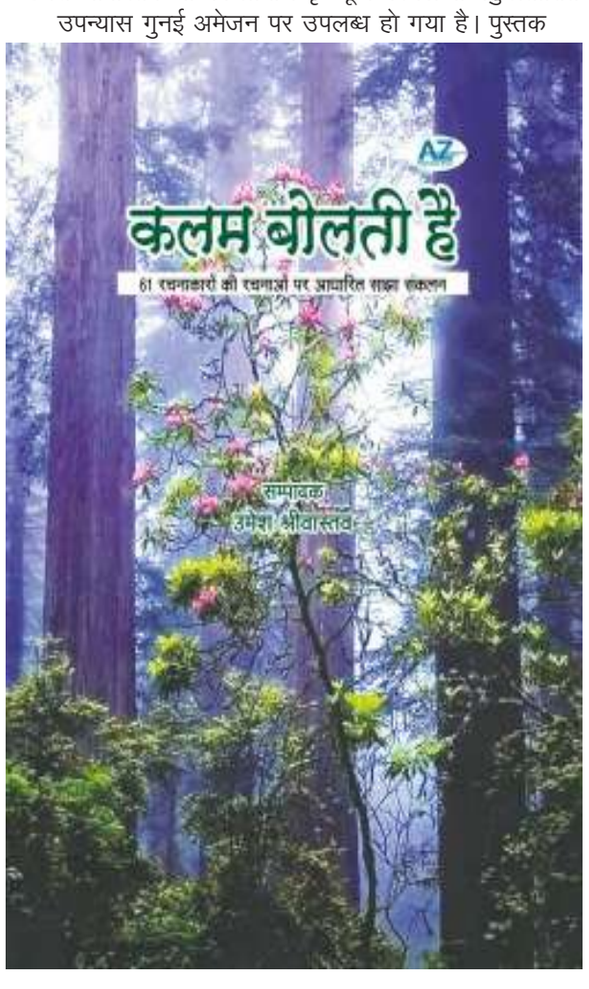

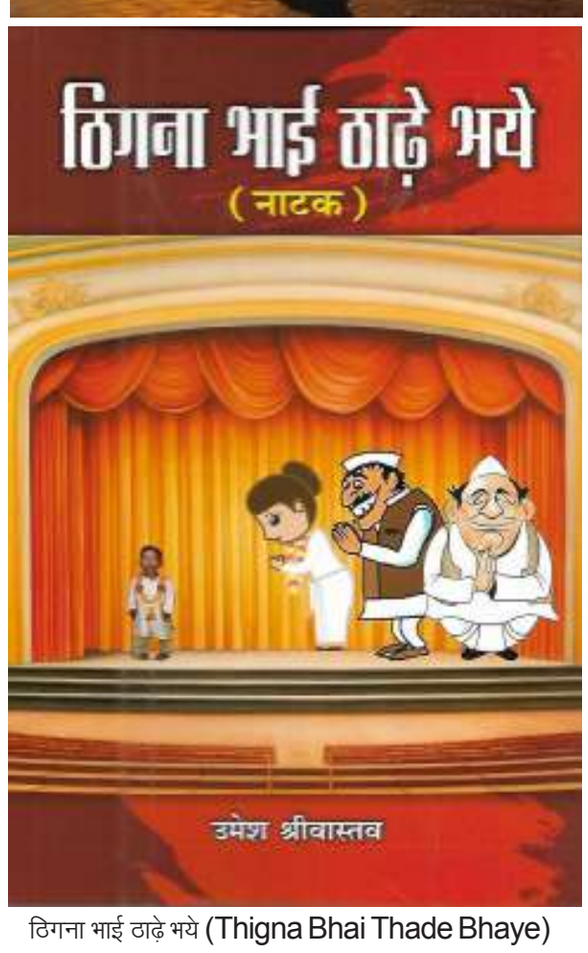

ठिगना भाई ठाढ़े भये (Thigna Bhai Thade Bhaye)

संक्षिप्त

ट्रंप हारे तो मुझे जेल में डाल दिया जाएगा, एलन मस्क को डर, वो अपने बच्चों को भी नहीं देख पाएंगे

वॉशिंगटन। एलन मस्क को डर है कि अगर आगामी राष्ट्रपति चुनाव में डोनाल्ड ट्रंप, कमला हैरिस से हार जाते हैं तो उन्हें जेल भी हो सकती है। मस्क ने ये भी कहा कि अगर कमला हैरिस चुनाव जीतीं तो हो सकता है कि अमेरिका में फिर कभी चुनाव ही नहीं होंगे। एक इंटरव्यू के दौरान मस्क ने ये बातें कही। गौरतलब है कि अमेरिका में राष्ट्रपति चुनाव में एलन मस्क खुलकर डोनाल्ड ट्रंप का समर्थन कर रहे हैं। एंकर टकर कार्लसन के साथ एक इंटरव्यू में एलन मस्क से पूछा गया कि अगर डोनाल्ड ट्रंप चुनाव हार जाते हैं तो क्या होगा? इस सवाल पर पहले ट्रंप चौंके और फिर मुस्कुराते हुए बोले कि अगर ट्रंप चुनाव हारे तो समझो मैं तो गया। आपको क्या लगता है कि मुझे कितने साल की जेल होगी? क्या मैं अपने बच्चों को भी देख पाऊंगा? मुझे नहीं पता। गौरतलब है कि एलन मस्क राष्ट्रपति चुनाव में खुलकर डोनाल्ड ट्रंप का समर्थन कर चुके हैं और हाल ही में पेंसिल्वेनिया के बटलर में हुई ट्रंप की रैली में एलन मस्क ने पूर्व राष्ट्रपति के साथ मंच भी साझा किया था और ट्रंप को चुनाव जिताने की अपील की थी। इंटरव्यू के दौरान एलन मस्क ने कहा कि श्मुझे लगता है कि अगर ट्रंप इन चुनाव में नहीं जीते तो ये अंतिम चुनाव होंगे।श अपनी आशंका जताते हुए मस्क ने कहा कि श्हैरिस बाइडन प्रशासन के दौरान जो लाखों अवैध अप्रवासी अमेरिका आए हैं, उन्हें नागरिकता दे दी जाएगी और वे भविष्य में हमेशा के लिए डेमोक्रेट पार्टी के मतदाता होंगे। मस्क ने कहा कि श्ये मेरा अनुमान है कि अगर चार साल और डेमोक्रेट पार्टी की सरकार रही तो वे अगले चुनाव में कई अवैध अप्रवासियों को वैध कर देंगे और फिर अमेरिका में कोई स्विंग स्टेट नहीं होगा, जिससे देश में एक ही पार्टी का शासन होगा।

यूक्रेन को समर्थन देने से तिलमिलाया रूस

लंदन। रूस और यूक्रेन के बीच दो साल से अधिक समय से जंग जारी है। इस बीच चौंकाने वाली खबर सामने आई है। बताया जा रहा कि रूस की खुफिया एजेंसी लंदन में अफरा–तफरा मचाना चाहती है। यह दावा ब्रिटेन की घरेलू खुफिया सेवा के प्रमुख ने मंगलवार को किया। उनका कहना है कि यूक्रेन को समर्थन देने के लिए रूस ब्रिटेन में अफरा–तफरी मचाने पर आमादा है। इतना ही नहीं, उन्होंने यह भी कहा कि एमआई5 ने जनवरी 2022 से अब तक ईरान समर्थित 20 साजिशों का जवाब दिया है, जो ब्रिटिश में रहने वाले लोगों को नुकसान पहुंचा सकती थी। ब्रिटेन की घरेलू खुफिया सेवा के प्रमुख केन मैक्कलम ने कहा कि रूस और ईरान ने ब्रिटिश धरती पर अपना काम करने के लिए अपराधियों और निजी खुफिया अधिकारियों को नियुक्त करना शुरू कर दिया है। उन्होंने कहा कि ब्रिटेन को रूस की ओर से आक्रामक गतिविधियां जारी रहने की उम्मीद करनी चाहिए क्योंकि उसकी सैन्य खुफिया एजेंसी जीआरयू देश की सड़कों पर अफरा–तफरी मचाने के लिए लगातार अभियान चलाएगी। ईरान पर मैक्कलम ने कहा कि पिछले दो वर्षों में कई बार साजिश रची गई है। मध्य पूर्व में घट रही घटनाओं के मद्देनजर एमआई5 ब्रिटेन में ईरानी सरकार समर्थित आक्रामकता के बढ़ने के खतरे पर अपना पूरा ध्यान दे रहा है। उन्होंने कहा कि कुल मिलाकर, एमआई5 और पुलिस ने मार्च 2017 से अब तक हमले की 43 साजिशों को नाकाम कर दिया है, जिससे कई लोगों की जान बच गई है। मैक्कलम ने आतंकवाद के लिए जांच के दायरे में आने वाले बच्चों की संख्या में हुई वृद्धि के लिए भी चरम दक्षिणपंथी विचारधाराओं को दोषी ठहराया। उन्होंने कहा कि 18 वर्ष से कम आयु के 13 प्रतिशत लोग आतंकवादी गतिविधियों में संभावित संलिप्तता के लिए जांच के दायरे में हैं। उन्होंने लंदन में एमआई5 के आतंकवाद निरोधी संचालन केंद्र में संवाददाताओं से कहा कि यह संख्या पिछले तीन वर्षों में तीन गुना वृद्धि को दर्शाती है।

इमरान खान की पार्टी के विरोध प्रदर्शन से 24 करोड़ रुपये का हुआ नुकसान, रिपोर्ट में दावा

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की पार्टी पीटीआई ने बीते सप्ताहांत में राजधानी इस्लामाबाद में बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शन का आयोजन किया था। इस दौरान खूब हिंसा और तोड़फोड़ की घटनाएं भी हुईं। अब एक रिपोर्ट में दावा किया गया है कि पीटीआई समर्थकों ने विरोध प्रदर्शन के दौरान करीब 24 करोड़ रुपये की सार्वजनिक और निजी संपत्ति का नुकसान किया है। इस्लामाबाद के महानिरीक्षक कार्यालय द्वारा इस्लामाबाद के आयुक्त को सौंपी गई रिपोर्ट में यह दावा किया गया है। गौरतलब है कि इमरान खान की पार्टी ने सरकार द्वारा संवैधानिक संशोधन पेश किए जाने के बाद न्यायपालिका की स्वतंत्रता की मांग करते हुए यह विरोध प्रदर्शन किया था। इमरान खान बीते एक साल रावलपिंडी की अडियाला जेल में बंद हैं। पीटीआई समर्थकों ने विरोध प्रदर्शन के दौरान इमरान खान को जेल से बाहर निकालने की भी मांग की। पीटीआई ने इस्लामाबाद में डी–चौक पर विरोध प्रदर्शन का आयोजन किया, ये वही जगह है, जहां पीटीआई ने साल 2014 में संघीय राजधानी में 126 दिनों तक धरना प्रदर्शन किया था। रिपोर्ट में कहा गया है कि पीटीआई के विरोध प्रदर्शन के दौरान प्रदर्शनकारियों ने 14 करोड़ कीमत के 441 सिटी कैमरे क्षतिग्रस्त कर दिए। इसके अलावा पुलिस के 10 वाहन, 31 मोटरसाइकिल और 51 गैस मास्क भी तबाह कर दिए। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, प्रदर्शनकारियों ने तीन निजी वाहनों और एक क्रेन को भी नुकसान पहुंचाया। इन विरोध प्रदर्शनों के दौरान एक पुलिसकर्मी की मौत हो गई और 31 घायल हुए हैं। पाकिस्तान के वित्त मंत्री मोहम्मद औरंगजेब ने बताया कि उनके मंत्रालय की आर्थिक सलाहकार विंग ने आर्थिक गतिविधियों के रुकने के कारण पीटीआई के विरोध प्रदर्शन के कारण 190 अरब रुपये के आर्थिक नुकसान का आकलन किया है।

राममय हुआ टोरंटो, कनाडा में रामलीला का आयोजन देख भाव–विभोर हुए भारतीय मूल के लोग

टोरंटो। कनाडा का टोरंटो शहर भी इन दिनों राममय नजर आया। दरअसल टोरंटो में रामलीला का मंचन किया गया। इस साल दशहरा पर्व मनाने के लिए टोरंटो में भव्य रामलीला महोत्सव का आयोजन किया गया, जो बेहद भव्य रहा। इस रामलीला महोत्सव का आयोजन रेडियो डिशुम द्वारा किया गया। रामलीला के इस आयोजन ने न केवल भारतीय मूल के लोगों बल्कि अन्य संस्कृति के लोगों का भी मन मोह लिया। पूरे कार्यक्रम में भगवान राम की जीवन गाथा को अद्वितीय नृत्य – नाटिका के रूप में प्रस्तुत किया गया, जिसने दर्शकों के दिलों को छू लिया।

रामलीला भारतीय संस्कृति का एक अभिन्न हिस्सा रही है, जो प्रेम, साहस और भक्ति की एक शाश्वत गाथा है। करीब छह साल पहले, लखनऊ की सौम्या मिश्रा ने इस महान संस्कृति को कनाडा की भूमि पर जीवंत करने का निर्णय लिया। जिसके बाद से कनाडा में रामलीला महोत्सव का आयोजन किया जा रहा है। इस साल फिर से टीम ढिशुम ने जून के अंत में अपनी रिहर्सल शुरू की, जिसमें युवा कैनेडियन बच्चों के व्यस्त स्कूल शेड्यूल को ध्यान में रखते हुए उन्हें गर्मियों की छुट्टियों के दौरान इस महोत्सव से जोड़ा गया। इसका उद्देश्य युवा वर्ग को प्रभु राम के चरित्र के बारे में बताना और उन्हें अपने रोजमर्रा के जीवन में इसे आत्मसात करने के लिए प्रेरित करना है, ताकि समाज में फिर से राम राज्य की स्थापना हो सके।

टीम ढिशुम में स्थानीय इंडो–कैनेडियन अभिनेता, फोटोग्राफर और स्वयंसेवक शामिल हैं, जिन्होंने इस कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए अनगिनत घंटे समर्पित किए। टीम ढिशुम के बच्चों ने तैयारी की इस पूरी यात्रा के दौरान अद्भुत समर्पण और जिज्ञासा दिखाई। इस स्टेज शो का हिस्सा बनने वालों में 35 से अधिक बच्चे और 60 वयस्क शामिल हैं। जिसमे 74 वर्षीय यशपाल शर्मा और 3 वर्ष का वीर भी शामिल है।

रामलीला की निर्देशक – डाइरेक्टर, सौम्या मिश्रा इस अलौकिक कथा को पारंपरिक और नई नाट्य शैली के समिश्रण के साथ प्रस्तुत करती हैं। रामलीला का हर दृश्य ऐसा प्रतीत हो रहा था जैसे दर्शक किसी महाकाव्य फिल्म का आनंद ले रहे हों। भव्य सेट, आकर्षक लाइट – साउन्ड इफेक्ट्स , और बेहतरीन स्पेशल इफेक्ट्स ने इसे एक सिनेमाई अनुभव में बदल दिया। जिसने राम–रावण युद्ध, मेघनाथ का मायाजाल और हनुमान की लंका यात्रा जैसे दृश्यों को जीवंत और भव्य बना दिया। राम वनवास प्रस्थान, भरत–मिलाप, सीता हरण और लक्ष्मण मूर्छा के दृश्य ने लोगों को भावुक कर दिया और हनुमान और उनकी सेना की चपल क्रीड़ा सबके चेहरे पर एक मुस्कान ले आई। इस वर्ष भगवान राम की भूमिका विक्रम सिंह ने निभाई। वहीं इवान लक्ष्मण, यश पटेल भगवान हनुमान, कौशिक स्वामीनाथन रावण, सचिन रामपाल ने कुंभकर्ण की भूमिका निभाई। वहीं देव पारिख विभीषण, मेघनाथ हुल्लास दत्त, जनक गौरव शर्मा, शुपर्णखा कुंजिता कपूर, दशरथ संदीप लूंबा और कैकेयी की भूमिका सुरम्या मिश्रा ने निभाई है। युवा कलाकारों में श्रेयश, शौर्य, लक्षा, कृशा, गौरीशा, आविग्ना ,निर्विघ्ना , भक्ति, क्रीना नजर आए। इशी, वीर, ईशान, कृशव, वेदांग, अभिमन्यु जैसे बाल कलाकारों ने पूरे उत्साह के साथ हिस्सा लिया।

विश्व प्रसिद्ध ज्योतिषी आचार्य इंदु प्रकाश जी ने भगवान परशुराम की आवाज दी और आत्मप्रकाश मिश्रा, जो दूरदर्शन नेशनल (क्क1) में सहायक निदेशक कार्यरत हैं, ने सागर देवता की आवाज दी। इस वर्ष चौपाइयों के संगीत और संयोजन में सरोज ठाकुर, विवेक जादों, श्वेता गुलाटी और दीपक गांधी जी ने साथ दिया। कानपुर की प्रिया आर्या, दिल्ली की पायल चहल और जयपुर की पूनम कासलीवाल जो टीम ढिशुम का पिछले कई वर्षों से एक प्रमुख हिस्सा हैं, इसे एक महान और सकारात्मक कार्य मानती हैं। कानपुर के क्षितिज आर्या, हरियाणा के महेश चंद और गुजरात की सेजल पांचाल निःस्वार्थ भाव से प्रभु श्रीराम की इस कथा को आगे बढ़ाने में प्रॉप और स्टेज में अपना सम्पूर्ण योगदान देते रहे हैं। ये सभी मानते हैं कि विदेशी धरती पर यही उनकी राम सेवा है। दर्शकों का कहना था कि इस तरह के आयोजनों से बच्चों का मनोरंजन तो होता ही है, साथ ही वे अपनी सांस्कृतिक विरासत और नैतिक मूल्यों को भी सीखते हैं। विदेशी भूमि पर व्यस्त दिनचर्या के साथ बच्चों को अपनी धरोहर और जड़ों से जोड़े रखना बेहद कठिन होता है। दर्शकों का यह मानना था कि टीम ढिशुम हमें अपनी विरासत के साथ जोड़ने की दिशा में अद्भुत काम कर रही है। पिछले छह वर्षों में रामलीला ने कनाडा में ढाई–पांच लाख से अधिक लोगों तक अपनी पहुंच बनाई है और इसे सभी वर्गों द्वारा बेहद पसंद किया जा रहा है।

अब 7 अक्तूबर की घटना फिर नहीं होगी, हम किसी आतंकी को नहीं छोड़ेंगे, इस्राइली विदेश मंत्रालय का बयान

तेल अवीव। इस्राइल के विदेश मंत्रालय के उप–प्रवक्ता एलेक्स गैंडलर ने कहा है कि अब इस्राइल पर हमले की 7 अक्तूबर जैसी घटना फिर कभी नहीं घटेगी। उन्होंने कहा कि हम आतंकियों का सफाया कर देंगे। उन्होंने ईरान पर इस्राइल के खिलाफ प्रोक्सी लड़ाई लड़ने का आरोप लगाया और कहा कि ईरान, इस्राइल को अस्थिर करने की कोशिश कर रहा है, लेकिन हमारी सेना बहुत मजबूत है और अभी हम काफी मजबूत स्थिति में हैं। इस्राइली विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने कहा कि श्हम पर चारों तरफ से हमले हो रहे हैं। न सिर्फ गाजा और लेबनान बल्कि कुछ हफ्ते पहले ईरान ने भी हम पर हमला किया था और यमन से भी हमला हुआ। हम इसे इस्राइल पर सात मोर्चों से हमला मानते हैं, लेकिन अभी इस्राइली सेना मजबूत स्थिति में है और हम किसी भी हमले का मुंहतोड़ जवाब देने में सक्षम हैं।श उन्होंने कहा कि श्पूरी दुनिया जानती है कि क्या हालात हैं। ईरान इस्राइल पर रॉकेट्स और अपने द्वारा पाले गए आतंकी संगठनों की मदद से हम पर हमले कर रहा है। इससे बीते एक साल से लड़ाई चल रही है। ऐसा नहीं है कि सिर्फ हम पर हमला हो रहा है बल्कि समुद्र में हूती विद्रोही हमला कर रहे हैं। कई ताकतें हैं जो इस्राइल को निशाना बना रही हैं और इनके पीछे ईरान है। इस्राइली विदेश मंत्रालय के उप–प्रवक्ता ने इस्राइल पर हमास के हमले का एक साल पूरा होने पर कहा कि हमारा संदेश साफ है कि हम हर आतंकी का सफाया करेंगे। 7 अक्तूबर की घटना इस्राइल में दोबारा कभी नहीं होगी। यह हमारे लिए एक बड़ी सीख है। हम लोगों का एक लंबा इतिहास है और हम हमेशा अपनी गलतियों से सीखते हैं। दो देश समझौते पर उन्होंने कहा कि श्पहले हम अपने रणनीतिक लक्ष्यों को हासिल करेंगे और उसके बाद ही शांति से बात हो सकती है। हम एक ऐसा देश चाहते हैं, जहां लोग शांति से अपने बच्चों के साथ रह सकें।

एलेक्स गैंडलर ने कहा कि श्ईरान एक असफल देश है, जिसकी अर्थव्यवस्था खराब हालत में है। ईरान हम पर हमला करता है, लेकिन उसकी असली ताकत उसके द्वारा खड़े किए गए संगठन हैं। वर्षों के बाद उसने ये संगठन खड़े किए हैं। तेल और गैस से समृद्ध देश इस सारे पैसे को अपने नागरिकों की भलाई में लगा सकता था, लेकिन उसने इस पैसे का इस्तेमाल इस्राइल के खिलाफ प्रॉक्सी (इस्राइल से लड़ने वाले संगठन) तैयार करने में लगाया, लेकिन आज उसके सारे प्रॉक्सी असफल साबित हुए हैं। ईरान बुलगारिया, अर्जेंटीना और लेबनान में आतंकी हमलों में शामिल है। सीरिया में आतंकी हमलों के पीछे भी ईरान है। ईरान ने इस्राइल को तबाह करने के लिए जितने भी संगठन खड़े किए हैं, एक दिन वो सारे तबाह हो जाएंगे। गैंडलर ने कहा कि भारत और इस्राइल के संबंध काफी मजबूत हैं। भारत, इस्राइल का अहम सहयोगी है। हम भारत को क्षेत्र में एक मजबूत आवाज के रूप में देखते हैं। मध्यस्थता के लिए कई देश कोशिश कर रहे हैं और बता रहे हैं कि ईरान को क्या करना चाहिए, लेकिन हम चाहते हैं कि सबसे पहले ईरान को संदेश दिया जाए कि क्षेत्र में शांति होनी चाहिए। ईरान के प्रॉक्सी इस्राइल पर हमले बंद करें। उन्होंने कहा कि दुर्भाग्य से बीते कुछ हफ्तों से शांति के लिए कोई बात नहीं हुई है। हमास का प्रमुख हसन सिनवार ने जरूर कुछ मध्यस्थतों से बात की है, लेकिन जब से इस्राइल ने हिजबुल्ला के खिलाफ हमले शुरू किए हैं, तब से शांतिवार्ता को लेकर कोई बात नहीं हुई है।

अमेरिका और भारत एक दूसरे के हाइड्रोजन मिशन को समर्थन दे रहे, यूएसआईएसपीएफ प्रमुख का बयान

वॉशिंगटन। अमेरिका के भारत केंद्रित समूह के प्रमुख का कहना है कि वैश्विक ऊर्जा परिवर्तन के लिए भारत और अमेरिका ध्वजवाहक देशों के रूप में उभर रहे हैं। उन्होंने कहा कि दोनों देशों की प्राथमिकता में हाइड्रोजन मिशन है। भारत और अमेरिका के बीच रणनीतिक और व्यवसायिक सहयोग के लिए बने समूह यूएसआईएसपीएफ के सीईओ मुकेश अघी ने ये बात कही। हाइड्रोजन दिवस के मौके पर उन्होंने कहा कि अमेरिका और भारत वैश्विक ऊर्जा परिवर्तन के ध्वजवाहक देशों के रूप में उभर रहे हैं। इसके तहत दोनों देश रणनीतिक स्वच्छ ऊर्जा साझेदारी को बढ़ा रहे हैं। साथ ही अक्षय ऊर्जा सप्लाई चेन, वित्त, निवेश और अनुसंधान के जरिए सहयोग को बढ़ाया जा रहा है। भारत और अमेरिका का मानना है कि स्वच्छ ऊर्जा और दुनिया से कार्बन उत्सर्जन कम करने की दिशा में हाइड्रोजन अर्थव्यवस्था की भूमिका अहम है। अघी ने कहा कि श्दोनों देशों ने हाइड्रोजन को अपनी प्राथमिकता बना लिया है। दोनों देश सार्वजनिक और निजी क्षेत्र के सहयोग से हाइड्रोजन अर्थव्यवस्था का निर्माण कर रहे हैं, जिससे रोजगार के पर्याप्त अवसर प्राप्त होंगे। भारत सरकार के नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय के संयुक्त सचिव अजय यादव ने कहा कि हाइड्रोजन दिवस समारोह नई दिल्ली में आयोजित हुआ, जिसमें अमेरिका एक भागीदार देश रहा। उन्होंने कहा कि इस ऐतिहासिक आयोजन में वैश्विक ग्रीन हाइड्रोजन पारिस्थितिकी तंत्र को बढ़ाने की प्रतिबद्धता जताई गई। हम भारत को ग्रीन हाइड्रोजन उत्पादन और प्रौद्योगिकी के लिए एक वैश्विक केंद्र के रूप में स्थापित कर रहे हैं। हम कार्बन उत्सर्जन को कम करने के लक्ष्य के साथ आगे बढ़ रहे हैं। जून 2021 में, अमेरिकी ऊर्जा विभाग और भारत के नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय ने यूएस–इंडिया स्ट्रेटेजिक पार्टनरशिप फोरम के साथ मिलकर यूएस–इंडिया स्ट्रेटेजिक क्लीन एनर्जी पार्टनरशिप के तहत यूएस–इंडिया हाइड्रोजन टास्क फोर्स की शुरुआत की। ये टास्क फोर्स दोनों देशों के पचास से अधिक प्रमुख उद्योगों, अनुसंधान संस्थानों और शिक्षाविदों को एक साथ लाता है और इसका उद्देश्य स्वच्छ हाइड्रोजन प्रौद्योगिकियों के विकास में तेजी लाना है। पिछले महीने, एमएनआरई ने दिल्ली में दूसरा अंतर्राष्ट्रीय ग्रीन हाइड्रोजन सम्मेलन आयोजित किया, जिसमें यूएस डीओई एक प्रमुख भागीदार था – 8,500 से अधिक उपस्थित लोगों ने भाग लिया, और इसमें टास्क फोर्स ने चुनौतियों और अवसरों पर चर्चा की।

अमेरिकी समाज बंट गया है, ऐसा राष्ट्रपति चाहिए कर सके, प्रोफेसर ने जताई बड़ी चिंता

वॉशिंगटन। प्रोफेसर ने कहा कि श्अमेरिकी समाज मौजूदा समय में व्यापक स्तर पर बंट गया है और इसे ऐसे राष्ट्रपति की जरूरत है, जो हालात को संतुलित कर सके। अमेरिकी लोग मौजूदा समय में देश में लोकतंत्र को लेकर काफी चिंतित और नाखुश हैं। अमेरिका में राष्ट्रपति चुनाव के लिए मतदान में अब कुछ ही दिन का समय बचा है। राष्ट्रपति चुनाव में डोनाल्ड ट्रंप और कमला हैरिस के बीच कड़ा मुकाबला है। इस चुनाव की पूरी दुनिया में खूब चर्चा है। अब अमेरिका की एक प्रोफेसर ने भी चुनाव को लेकर चिंता जताई है और कहा है कि अमेरिकी समाज मौजूदा समय में व्यापक स्तर पर बंट गया है और इसे ऐसे राष्ट्रपति की जरूरत है, जो हालात को संतुलित कर सके। प्रोफेसर ने कहा कि अमेरिकी लोग मौजूदा समय में देश में लोकतंत्र को लेकर काफी चिंतित और नाखुश हैं। यूनिवर्सिटी ऑफ नेवादा में पत्रकारिता की प्रोफेसर पारोमिता पेन ने भारतीय मीडिया को ईमेल के जरिए दिए जवाब में कहा कि श्दोनों उम्मीदवारों (डोनाल्ड ट्रंप और कमला हैरिस) में नस्ल, रंग और विचारधारा और मुद्दों को देखने के स्तर पर काफी अंतर है। उन्होंने लिखा कि अमेरिका को इस वक्त ऐसे राष्ट्रपति की जरूरत है, जो हालात को संतुलित कर सके। अमेरिकी समाज में बेशक काफी ज्यादा ध्रुवीकरण है। पारोमित पेन ने कहा कि अमेरिका में अप्रवासियों का मुद्दा भी गरम है। साथ ही गर्भपात, समलैंगिक विवाह और साथ ही जातीय और नस्लीय मुद्दे भी खूब चर्चा में हैं। पेन के अनुसार, श्महिला स्वास्थ्य अधिकार और अप्रवासन आगामी चुनाव में निर्णायक मुद्दे होंगे। मेलानिया ट्रंप भी महिला स्वास्थ्य अधिकार को अपना समर्थन दे चुकी थीं और ट्रंप ने उनका समर्थन भी किया था, लेकिन अब वे इससे पलट गए हैं। पारोमिता पेन ने कहा कि कमला हैरिस का रंग और उनकी नस्ल यकीनन मतदाताओं पर असर डालेगी। जब साल 2020 में उन्हें उपराष्ट्रपति पद के लिए नामित किया गया था, उस वक्त भी उन पर खूब जुबानी हमले हुए थे। प्यू रिसर्च के सर्वे में साफ पता चला है कि अधिकतर मतदाताओं का मानना है कि कमला हैरिस का महिला होना और एशियाई मूल की अश्वेत होना उनके लिए फायदेमंद है।

प्रतापगढ़ ब्यूरो
शरद कुमार श्रीवास्तव
7/31, अचलपुर, प्रतापगढ़

संस्थापक
स्व.कन्हैया लाल
स्व.श्रीमती साधना
सम्पादक
उमेश चंद्र श्रीवास्तव
प्रबन्ध सम्पादक
अरविन्द पाण्डेय
संयुक्त सम्पादक
अनंत श्रीवास्तव
संयुक्त सम्पादक (तकनीकी)
केशव श्रीवास्तव
विधि सलाहकार
कल्पना श्रीवास्तव

शहर समता
स्वामी/प्रकाशक/मुद्रक/सम्पादक उमेश चन्द्र श्रीवास्तव द्वारा कम्पीटेन्ट बिजनेस सर्विसेज, विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई लूकरगंज, इलाहाबाद से मुद्रित कराकर 289/238ए,कर्नलगंज इलाहाबाद से प्रकाशित
सम्पादक
उमेश चन्द्र श्रीवास्तव
मो.नं.9005239332
आर.एन.आई.नं.
यूपीएचआईएन/2004/22466
Email : shaharsamta@gmail.com
इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।